सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 362, नई दिल्ली । सोमवार, 11 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफल बनने के लिए सबकी सुनने की आदत होनी चाहिए परंतु करना वही चाहिए जो अपने मन को बेहतर लगे।

03 नए अस्पताल के संचालन से एम्स की इमरजेंसी सेवा होगी बेहतर
06 मोदी पर निजी हमला कर विपक्ष ने चुनावों से पहले खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है
08 पीएम ने दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन

दिल्ली में पंजीकृत व्यवसायिक वाहन मालिकों को जल्द मिल सकती है वीएलटीडी/जीपीएस ट्रैकिंग के नाम पर ली जाने वाली फीस से मुक्ति

टोलवा द्वारा परिवहन विभाग से अनुरोध "जीपीएस/वीएलटीडी/पैनिक बटन ट्रैकिंग के नाम से ली जाने वाली फीस को तत्काल प्रभाव से वाहन मालिकों से लेना समाप्त के आदेश/ दिशा निर्देश जारी करे"

संजय बाटला

नई दिल्ली। जैसा कि आप सभी जानते ही हैं निर्भया कांड के बाद सार्वजनिक वाहनों में महिला सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय सचिव कमेटी, उच्च न्यायालय दिल्ली ने दिशा निर्देश/ आदेश जारी कर दिल्ली में पंजीकृत और पंजीकरण होने वाले व्यवसायिक कार्य के वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम अनिवार्य किया था। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा इस आदेश की पूर्ति हेतु वाहनों में पंजीकरण से पहले वीएलटीडी अनिवार्य कर दिया गया और उसके साथ ही परिवहन विभाग द्वारा अपनी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली कम्पनी "डिम्ट्स" को इन सभी वाहनों के नेविगेशन का ठेका देकर वाहन मालिकों से प्रति वर्ष प्रति वाहन 2500 रुपए फीस लागु के आदेश पारित कर दिए थे पर इसके बावजूद वाहनों में लगने वाले पैनिक बटन जिसका उपयोग यात्रियों खास तौर पर महिला यात्रियों की सुरक्षा को करना था के लिए कोई भी डाटा सेंटर/ अलार्म सेंटर/ विभाग या प्रवर्तन शाखा से नही जोड़ा, इसे सिर्फ खिलौना बना कर रखा और इस खिलौना जिसके उपयोग का कोई ओचित्य/अर्थ नहीं बनता के नेविगेशन) जांच के नाम से प्रति वाहन 2500 रुपए वार्षिक शुरु करवा कर अपने हिस्सेदारी वाली कम्पनी को फायदा पहुचावने के साथ ही गृह मंत्रालय सचिव कमेटी/उच्च न्यायालय को बता दिया कि आदेश के तहत महिला सुरक्षा व्यवस्था कार्य शुरु। **आज की तारीख तक भी वीएलटीडी यंत्र के डाटा एंट्री और पैनिक बटन की निगरानी के लिए कोई डाटा सेंटर/ अलार्म सेंटर/ विभाग या प्रवर्तन शाखा नहीं है** विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक अच्छी खबर यह है कि जल्द ही परिवहन विभाग और एनआईसी एमओयू साइन करने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत परिवहन विभाग स्थल पर एनआईसी अपनी योग्यता अनुसार महिला सुरक्षा के प्रति वाहनों में लगे पैनिक बटन का डाटा सेंटर बनाकर उसे जनहित के प्रयोग में शुरू करवाएगा और इसके शुरू होने के साथ ही वाहन मालिको से बिना प्रयोग वाले खिलौने के नाम पर ली जाने वाली फीस भी समाप्त कर दी जाएगी और यह यंत्र (वीएलटीडी/पैनिक बटन) जनहित में खिलौने की जगह आवश्यक यंत्र का कार्य करने लगेंगे। इस जानकारी के आने के बाद **टोलवा** द्वारा परिवहन विभाग से अनुरोध है **"जीपीएस/वीएलटीडी/ पैनिक बटन ट्रैकिंग के नाम से ली जाने वाली फीस को तत्काल प्रभाव से वाहन मालिकों से लेना समाप्त के आदेश/ दिशा निर्देश जारी करेर या उतने ही समय की फीस ले जितना समय परिवहन विभाग एनआईसी द्वारा डाटा बेस सेंटर शुरू करवाने में लगाएगा।**

लघु उद्योग भारती दिल्ली कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन की जनरल बॉडी मीटिंग हुई संपन्न

संजय बाटला

नई दिल्ली। लघु उद्योग भारती दिल्ली में संपन्न हुए अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन की जनरल बॉडी बैठक में ई.वी. को पीएम मोदी की इच्छा अनुसार तेजी प्रदान करने में आने वाली समस्याओं और उनके समाधानों पर चर्चा की गई। डॉ. एसके सरोज एवम् राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव मिश्रा द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित सवाददाताओ के समक्ष उजागर किया और बताया अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में निरंतर सरकार को मदद और सरकार से मदद प्राप्त कर इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में जुडे व्यवसायियों को दे/दिलवा रहा है। संपन्न हुई इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में काफी बड़ी-बड़ी कंपनियों ने हिस्सा लिया जिसमें मुख्य रूप से डीएनए टेक्नोलॉजी नोएडा, संपूर्ण टू व्हीलर मैन्युफैक्चरर और सिग्नल इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड मौजूद रहे।

फेडरेशन ने अपने सदस्यों को सम्मानित भी किया जिन्होंने ई. वी.के क्षेत्र में अच्छे कार्य करके दिखाए, जिसमें दीपक वाधवा को इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट, शिप्रा कपूर को प्रेसिडेंट आरटीओ और स्टेट अप्रूवल, प्रेम सचदेवा को रीसाइक्लिंग एंड वेस्ट मैनेजमेंट प्रेसिडेंट, मनीराम को प्रेसिडेंट राजस्थान, संजय बाटला को प्रेसिडेंट मीडिया, रामेंद्र दीक्षित को सचिव मीडिया के पद से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट श्री जनक भाटिया जो लघु उद्योग भारती के टेक्निकल कमेटी के हेड है द्वारा आई.एफ.ई.वी.ए. के सदस्यों को विश्वास दिलाया गया कि वह सरकार के साथ निरंतर संपर्क में है और एमएसएमई से सम्बंधित समस्याओ के निवारण हेतु सरकार पर लगातार दबाव बनाते रहते हैं और आगे भी बनाएंगे।

कार्यक्रम में लगभग 100 के आसपास इंडस्ट्री के लोग और 50 से भी अधिक सदस्य ऑनलाइन जुड़े हुए थे और उन सभी ने भी अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव इस जनरल बॉडी मीटिंग में दिए। इस संपन्न कांफ्रेंस में फैडरेशन से जुड़े सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए 2 (दो) महत्वपूर्ण अनुबंध भी किए गए जिसमें फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन ने हैदराबाद की कंपनी रिकॉर्डेंट के साथ अनुबंध साइन किया।

आपको यह बता दे रिकॉर्डेन्ट भारत की पहली कंपनी है जो क्रेडिट पॉलिसी और पेमेंट रिकवरी मॉड्यूल पर ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर के द्वारा बिजनेस में व्यवसायियों को सहायता प्रदान करती हैं। इस संस्था के सीईओ विनी पेट्रो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की उनकी कम्पनी सॉफ्टवेयर की मदद से छोटे- मध्यम और बड़े सभी श्रेणी के उद्यमियों को उनकी पेमेंट लेने देने से जुड़ी सभी समस्याएं के निवारण/समाप्त करने में मदद करते हैं। विनी पेट्रो द्वारा इस कांफ्रेंस में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी दिया गया और सॉफ्टवेयर की विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की।

इस समारोह मे दूसरा महत्वपूर्ण अनुबंध इंटरनेशनल बिजनेस स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप संगठन के साथ फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन ने साइन किया। इंटरनेशनल बिजनेस स्टार्टअप के अध्यक्ष अंशुमन सिंह ने प्रेस को बताया उनका संगठन भारत का पहला ऐसा संगठन है जो छात्रों को स्किल एंटरप्रेन्योरशिप की माइंडसेट की ट्रेनिंग देता है और ज्यादा से ज्यादा छात्रों को एंटरप्रेन्योरशिप की तरफ बढ़ावा देने में और स्टार्टअप पर जोर देने में अपना पूरा सहयोग देश और समाज को दे रहे हैं और साथ ही बताया की अब तक उनके द्वारा 5 लाख बच्चों को इंजीनियरिंग कॉलेज में जाकर एंटरप्रेन्योरशिप माइंड सेट ट्रांसफॉर्मेशन की ट्रेनिंग दे चुके है। फेडरेशन उम्मीद करता है की फेडरेशन अंशुमान के साथ मिलकर छात्रों और युवाओं का भविष्य संवारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। फेडरेशन द्वारा सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया गया की फेडरेशन इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा और अपने हर एक सदस्य के बिजनेस को भी आगे बढ़ाने में पूरा-पूरा सहयोग देगा।

दिल्ली के स्कूलों में चल रहे निजी नम्बर के वाहनों को व्यवसायिक श्रेणी में पंजीकरण की जल्द मिल सकती है इजाजत

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूल के बच्चों को समय पर घर से स्कूल और स्कूल से घर पहुंचाने के लिए प्रयोग आने वाले निजी पंजिकरण वाहनों को सुरक्षा नियमो के अंतर्गत लाने और निजी वाहन के मालिको के पारिवारिक भरण पोषण की जरूरत को मानते हुए दिल्ली परिवहन विभाग जल्द ही इन सभी स्कूल सेवा में कार्यरत निजी नम्बर में पंजीकृत वाहनों को व्यवसायिक पंजीकरण नम्बर प्रदान करने की स्कीम लागू करने जा रहा है, दिल्ली में स्कूल बच्चो की सेवा में कार्यरत सभी निजी वाहन मालिक इस स्कीम में अपनें वाहनों को व्यवसायिक पंजीकरण करवाकर अपने परिवार के भरण पोषण को बिना परेशानी रख सकते है।

ग्रामीण सेवा स्कीम में चलने वाले वाहन मालिको के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे ग्रामीण वाहन सेवा मालिको जो अपने पूराने वाहनों की जगह ड्रा में प्राप्त परमिट को सुचारू रूप से अपने परिवार के भरण पोषण और जनता को सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से नया वाहन खरीद कर उस को चलाने की इच्छा रखते हैं उनके लिए अच्छी खबर अब ग्रामीण वाहन सेवा मालिको को अपने वाहन रिप्लेस करने की जल्द इजाजत परिवहन विभाग जारी करने जा रहा है इसके लिए परिवहन मंत्री दिल्ली द्वारा परिवहन विभाग को बैठक में लिखित दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

दिल्ली के आटो तीन पहिया वाहन मालिकों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे तीन पहिया आटो वाहन मालिको के लिए परिवहन मंत्री ने बैठक कर परिवहन विभाग को आटो तीन पहिया वाहन की फिटनेस को दिल्ली में कार्यरत सभी क्षेत्रीय कार्यालयों से जारी करने के लिए लिखित दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं और जल्द ही तीन पहिया आटो वाहन को अपने वाहन की फिटनेस के लिए बुराड़ी जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी वह अपनी इच्छा से दिल्ली में कार्यरत किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय में अपने वाहन की फिटनेस करवाकर फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

परिवहन विभाग के आला अधिकारी की शय पर आज भी चल रही है हस्तचालित कार्यशैली

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आपकों जानकर आश्चर्य होगा कि दिल्ली परिवहन विभाग जिसने भारत देश में अपने आप को सबसे पहले ऑनलाइन फेस फ्री आवेदन प्रक्रिया से कार्य शुरू करने की घोषणा की थी के आटो टेक्सी शाखा में आज तक मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धारा के खिलाफ कार्य वह भी हस्तचालित कार्यशैली से करवाया जा रहा है। सर्वप्रथम आज से दो साल पहले टोलवा द्वारा इस बात को परिवहन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया था और परिवहन आयुक्त द्वारा इस हस्तचालित कार्यशैली को जल्द ही बंद करवा कर मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धारा के अंर्तगत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के द्वारा शुरू करवाने का विश्वास दिलाया गया था और उसके बाद अन्य बैठकों में भी इस मुद्दे को उठाने के बावजूद आज तक हस्तचालित कार्यशैली से ही आटो शाखा में कार्य किया जा रहा है, आखिर क्यों और कोन है इसके लिए जिम्मेदार? आप सभी की जानकारी के लिए बता दें किसी भी प्रतिबंधित परमिट को ड्रा द्वारा सफल परमिट धारक द्वारा अपने द्वारा ड्रा में प्राप्त परमिट के प्रयोग में लेने के लिए खरीदे गए वाहन पर प्राप्त करने के बाद दुबारा नया वाहन खरीद कर प्राप्त करने के

लिए मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धारा के अंर्तगत रिप्लेसमेंट मोड में ऑनलाइन प्रक्रिया से स्लिप (प्रथम वाहन के स्थान पर किसी अन्य वाहन पर प्रयोग करने का विश्वास/आशय (एल.ओ.आई.)* देना है पर दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी के द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिबंधित आटो तीन पहिया वाहन मालिक को रिप्लेसमेंट मोड स्लिप ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जगह हस्तचालित कार्यशैली से एल.ओ.आई. जो कानून के विरुद्ध है जारी करवा रहें हैं। इतना ही नहीं किसी वाहन पर कितनी बकाया राशि/ बकाया फीस या बकाया चालान है वह सभी ऑनलाइन होने के बावजूद आटो मालिको को हस्तचालित कार्यशैली से पी-3 नाम का पत्र जारी करवा रहें हैं जब की रिप्लेसमेंट मोड में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में ही अगर वाहन पर कोई राशि/फीस/जुर्माना बकाया हो तो वह सभी भरने के बाद ही रिप्लेसमेंट मोड में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया हो सकती है पर परिवहन विभाग के आला अधिकारी फिर भी हस्तचालित कार्यशैली से पी-3 लागू क्यों करवा रहें है, आखिर क्यों वह ही अधिक बेहतर जानते होंगे, इतना ही नहीं इसके अलावा आटो वाहन मालिक द्वारा आरवीएसएफ द्वारा अपने वाहन के निष्पादन करवाने (किसी बेकार या पुरानी चीज़ का निपटान) के बाद भी जो कि आरवीएसएफ द्वारा निपटान करने के साथ ही सीधा वाहन पोर्टल पर चढ़ाता है और जिसे परिवहन विभाग द्वारा वाहन पोर्टल पर देखा जा सकता है की जगह वाहन मालिक से आरवीएसएफ द्वारा जारी वाहन निपटान के प्रमाण पत्र को जमा करवाने के लिए बोलते है जिसे परिवहन विभाग की आटो शाखा ने नाम दिया हुआ है पी-4 और आला अधिकारी को अपने पक्ष में रखकर शुरू रखा हुआ है, आखिर क्यों यह भी परिवहन विभाग का आला अधिकारी बेहतर जानते होंगे।

अब आप सभी अच्छी तरह समझ सकते है की मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धारा के तहत जो कार्य ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से सिर्फ रिप्लेसमेंट मोड में फीस कटवाने से होना है उसके लिए परिवहन विभाग की आटो शाखा आटो तीन पहिया वाहन मालिक से हस्तचालित कार्यशैली से

1. पी-3 फिर
2. पी-4 फिर
3. एल.ओ.आई. प्राप्त करने के मजबूर करते हैं जब की मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धारा में इनमे से किसी की भी जरूरत ही नहीं बनती, बनता है तो सिर्फ ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के द्वारा रिप्लेसमेंट मोड में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया करवाना।

टोलवा का परिवहन विभाग के आला अधिकारी से जनहित और आटो तीन पहिया वाहन मालिकों को परेशान करने और एक ही कार्य के लिए बार बार अपनी शाखा के अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने को बंद करवाकर तत्काल प्रभाव से नियमानुसार ऑनलाइन फेस फ्री आवेदन प्रक्रिया को शुरू करवाने का निवेदन।

जमीनी स्तर पर कार्रवाई और आंदोलन में पीपुल्स एसोसिएशन एव ऐप-आधारित परिवहन कर्मचारियों का भारतीय संघ

नई दिल्ली। PAIGAM और IFAT आपको अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट "प्रिज़नर्स ऑन व्हील्स? रिपोर्ट ऑन वर्किंग एंड लिविंग कंडीशंस ऑफ़ ऐप-बेस्ड वर्कर्स इन इंडिया" के लॉन्च में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो भारत में गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों पर दुनिया के सबसे बड़े अध्ययनों में से एक है। यह रिपोर्ट भारत के 8 शहरों (दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और बैंगलोर) में 10,000 से अधिक ऐप-आधारित कैब ड्राइवरों और डिलीवरी व्यक्तियों से एकत्र किए गए व्यापक, आमने-सामने सर्वेक्षण डेटा पर आधारित है। यह अध्ययन PAIGAM (पीपुल्स एसोसिएशन इन ग्रासरूट्स एक्शन एंड मूवमेंट) द्वारा पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय (UPenn) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) के सहयोग से आयोजित किया गया था। रिपोर्ट लॉन्च के बाद एक पैनल चर्चा और दोपहर का भोजन होगा। कृपया अवश्य उपस्थित हों.

दिनांक: 11 मार्च, 2024 **समय:** सुबह 11 बजे
स्थान: स्पीकर हॉल, भारत का संविधान क्लब कनॉट प्लेस, नई दिल्ली
मुख्य अतिथि: सेवानिवृत्त जस्टिस ए.पी शाह
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय
पूर्व अध्यक्ष, 20वें विधि आयोग
स्वागतकार सम्पर्क: -+91 97172 89101

प्रेग्नेंसी में घातक है थायराइड का बढ़ना, बच्चे को हो सकता नुकसान, डॉक्टर से जानें लक्षण और बचाव के उपाय

गर्भावस्था में होने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण कई महिलाओं को थायरॉयड की समस्या हो जाती है. प्रेग्नेंसी के दौरान यह थायरॉयड पेट में पल रहे शिशु की सेहत के लिए ठीक नहीं है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कैसे नुकसानदायक? क्या हैं लक्षण? कैसे करें बचाव? इन सवालों के बारे में विस्तार बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी का समय महिलाओं के लिए जितना सुखद भरा होता है, उतना ही कठिनाई भरा भी होता है. क्योंकि गर्भावस्था के समय महिलाओं के शरीर में तेजी से बदलाव होता है, जिससे कई तरह की शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इन्हीं में से एक है थायरॉयड की परेशानी. जी हां, गर्भावस्था में होने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण कई महिलाओं को थायरॉयड की समस्या हो जाती है. प्रेग्नेंसी के दौरान यह थायरॉयड पेट में पल रहे शिशु की सेहत के लिए ठीक नहीं है. बता दें कि, थायरॉयड हमारे गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथि होती है. यह थायरॉक्सिन हार्मोन बनाती है, जो शरीर में एनर्जी और मेटाबॉलिज्म के स्तर को कंट्रोल करता है. जब इस ग्रंथि में गड़बड़ी आने लगती है, तो थायरॉयड रोग हो जाता है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कैसे नुकसानदायक? क्या हैं लक्षण? कैसे करें बचाव? इन सवालों के बारे में विस्तार बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड क्यों नुकसानदायक?

थायरॉयड की ज्यादा मात्रा गर्भवती महिला और उसके शिशु की सेहत के लिए खराब मानी जाती है. हाइपरथायरॉयडिज्म के कुछ मामलों में महिला को उल्टियां आना या फिर जी मिचलाना जैसी दिक्कतें आ सकती हैं. थायरॉयड के कारण बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर बहुत प्रभाव पड़ता है, बच्चा असमान्य भी हो सकता है.

बॉडी को एक्टिव बनाएं रखें और डॉक्टर की सलाह पर योग और हल्के वर्कऑउट की आदत डालें. इसके अलावा, थायरॉयड पीड़ित प्रेग्नेंट महिलाओं के बच्चों को यानी नवजात शिशुओं का नियोनेटल हाइपोथायरॉयड की समस्या हो सकती हैं.

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड बढ़ने के लक्षण

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को दो तरह के थायरॉयड की समस्या हो सकती है. पहला हाइपोथायरॉयडिज्म, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि थायरॉयड ग्रंथि जरूरत से कम थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन कर रही है. इस समस्या में वजन बढ़ाना, अत्यधिक थकान, कब्ज, ज्यादा ठंड लगना, मांसपेशियों में ऐंठन और ध्यान लगाने में दिक्कत आदि लक्षण देखने को मिलते हैं.

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कंट्रोल करने के उपाय

गर्भावस्था में थायरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए अपने खानपान का विशेष ध्यान रखें. साथ ही नियमित रूप से व्यायाम और योग करने से थायरॉयड को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. थायरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए नियमित रूप से दावा का सेवन करें. प्रेग्नेंसी में थायरॉयड लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए आपको तनाव लेने से बचें, जंक फूड और शुगर युक्त चीजों का ज्यादा सेवन ना करें. इसके अलावा, समय-समय पर डॉक्टर से अपना चेकअप कराएं.

गर्भावस्था में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना बेहद खतरनाक, 5 लक्षणों से करें बीमारी की पहचान, डॉक्टर से समझें बचाव के तरीके

प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है. प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है.

प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल बेहद जरूरी है. कई बार कुछ गलत खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ता क्यों है? क्या हैं इसके जोखिम? कैसे करें लक्षणों की पहचान और क्या हैं बचाव के तरीके? इन सवालों के बारे में बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव...

प्रेग्नेंसी का समय महिलाओं के लिए जितना सुखद भरा होता है, उतना ही कठिनाई भरा भी होता है. क्योंकि गर्भावस्था के समय महिलाओं के शरीर में तेजी से बदलाव होता है. ऐसे में खुद की ठीक से देखभाल बेहद जरूरी है. इस दौरान दो चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है- पहली अच्छी डाइट और दूसरी हेल्दी लाइफस्टाइल. क्योंकि आपका खानपान आपकी और आपके बच्चे की सेहत पर सीधा असर डालती है. कई बार कुछ गलत खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. दरअसल, प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना महिलाओं के लिए घातक हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि लक्षणों को पहचानकर समय पर डॉक्टर की सलाह लें. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ता क्यों है? क्या हैं इसके जोखिम? कैसे करें लक्षणों की पहचान और क्या हैं बचाव के तरीके? इन सभी सवालों के बारे में बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कारण?

एक्सपर्ट के मुताबिक, ज्यादातर महिलाओं में प्रेग्नेंसी के समय कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की शिकायत रहती है. इस परेशानी की मुख्य वजह महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव का होना हैं. इसी के चलते उनका कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. दरअसल, कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर में एक मोम की तरह दिखने वाला चिपचिपा तरल पदार्थ है. शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कई तरह की समस्याएं जन्म दे सकती हैं, जिसमें हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का भी खतरा शामिल हैं. हालांकि हेल्दी लाइफस्टाइल और अच्छा खानपान इस परेशानी से बचाने में आपकी मदद कर सकता है.

प्रेग्नेंसी में हाई कोलेस्ट्रॉल के जोखिम

गर्भावस्था में लगातार कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना खतरनाक हो सकता है. ऐसे में इसकी पहचान कर तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए. बता दें कि, गर्भास्था में यदि शरीर में कोलेस्ट्रॉल फी बढ़ जाए, तो इससे कई तरह की समस्याएं होने का खतरा बढ़ता है, जिसमें- हाई ब्लड प्रेशर, प्रीमैच्योर डिलीवरी, बच्चों में जेनेटिक डिसऑर्डर, हार्ट अटैक जैसी परेशानियां शामिल हैं.

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण?

डॉक्टर के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर छाती या सीने में तेज दर्द महसूस होना, उल्टी और मतली महसूस होना, हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी ज्यादा होना, सांस लेने में दिक्कत होना और बॉडी में थकान या कमजोरी महसूस होने जैसे शुरुआती लक्षण हैं. इन लक्षणों की पहचान कर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर ऑप्शन है.

कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए इन चीजों से रखें दूरी?

गर्भावस्था में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई भी कारण हो, लेकिन डॉक्टर इस दौरान किसी भी तरह की दवा का सेवन करने की सलाह नहीं देते हैं. दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान दवा का सेवन करने से पेट में पल रहे बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है. इसके लिए बेहतर है कि नियमित एक्सरसाइज करें, अच्छी नींद लें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं, साबुत अनाज खाएं, फल-सब्जियों का सेवन करें और धूम्रपान-शराब से दूरी रखें.

वक्त पर पकड़ना है काला मोतिया तो एक बार करें ये काम, पॉल्यूशन का जंजाल होगा खत्म

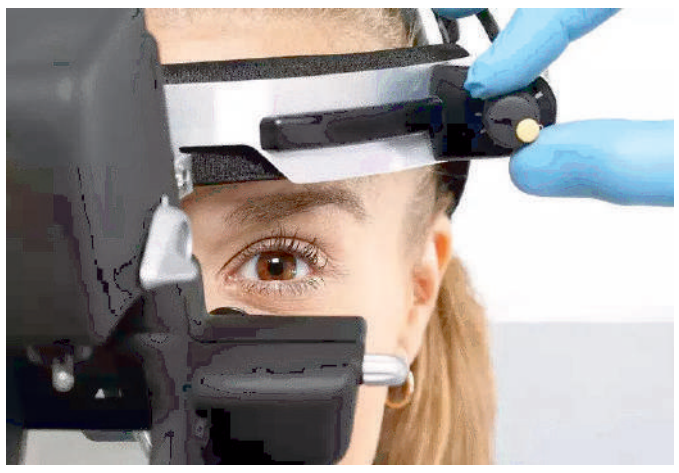

पॉल्यूशन के कारण लोगों को आंखों में जलन, एलर्जी और गले में खराश जैसी परेशानियां हो रही हैं। इससे बचने के लिए विशेष टिप्स दिए गए हैं। आंखों की जांच और डाइलेट करने से आंखों की परेशानियों को समझना आसान होता है। मोबाइल का अधिक इस्तेमाल मायोपिया को बढ़ावा देता है।

पॉल्यूशन ने अपना जोर लगाया हुआ है। लोगों को इस वजह से आंखों में जलन, सांसों की परेशानी, एलर्जी की शिकायत, गले में खराश समेत तमाम तरह की परेशानियों ने घेर रखा है। साथ ही मौसम बदल रहा है और त्योहारों का सीजन भी चल रहा है।

ऐसे में इस बार हम आपके लिए लेकर आए हैं सेहतमंद बने रहने के लिए बेस्ट टिप्स। इन्हें अपनाकर आप खुद को अच्छी सेहत का तोहफा दे सकते हैं।

1. साल में एक बार आई चेकअप

साल में एक बार आंखों की जांच होनी चाहिए, वह भी आंखों को डाइलेट करके। आजकल कंप्यूटर के माध्यम से टेस्टिंग होती है। लेकिन आंखों की अंदरूनी परेशानी का पता लगाने के लिए डाइलेट करने के खास लिक्विड (Tropicamide, Phenylephrine Hydrochloride) की चंद बूंदें आंखों में डाली जाती हैं।

इससे डॉक्टर को आंखों के भीतरी हिस्से, नसें आदि अच्छी तरह दिख जाती हैं। इससे आंखों की परेशानियों को समझना आसान हो जाता है। इस जांच का चलन ज्यादातर शुगर पेशेंट्स और उम्र से जुड़ी परेशानियों में होता है।

फिर भी इस तरह की जांच सभी के लिए होनी चाहिए। 40 साल की उम्र के बाद हर साल आंखों का प्रेशर जरूर चेक कराएं। इससे काला मोतिया वक्त पर पकड़ में आ जाता है।

2. मोबाइल से दूरी

मोबाइल की जरूरत सभी को है। काफी संख्या में बच्चे, बड़े, बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनकी यह जरूरत लत बन गई है। लेकिन 6 से 13 साल तक के बच्चों के लिए मोबाइल बड़ी परेशानी पैदा कर रहा है। इससे मायोपिया हो रहा है।

इसमें दूर की निगाह कमजोर हो जाती है। किसी शख्स को 6 फुट की दूरी पर मौजूद कोई भी ऑब्जेक्ट साफ दिखाई न दे तो इसका मतलब है कि वह मायोपिया का शिकार हो सकता है।

ज्यादातर बच्चे मायोपिया वाले ही होते हैं। आम रुटीन में हम एक मिनट में 20 से 25 बार पलकों को झपकाते हैं, लेकिन स्क्रीन देखते समय यह महज 5 से 7 बार रह जाती है।

3. 20:20:20 फॉर्मूला

अगर कोई शख्स किसी से बात कर रहा हो, कहीं जा रहा हो तो वह स्वाभाविक तौर पर कभी नजदीक तो कभी दूर देखता रहता है। लगातार नजदीक देखने का मसला नहीं बनता। लेकिन जब कोई शख्स लगातार मोबाइल या लैपटॉप आदि की स्क्रीन को देखता रहता है तो 'दूरदर्शन' की जरूरत होती है। इसलिए ऐसे शख्स को 20:20:20 फॉर्मूले पर अमल करना जरूरी है यानी हर 20 मिनट बाद 20 बार पलकें झपकना, फिर लगातार 20 सेकंड तक 20 फुट या इससे दूर देखना चाहिए।

इससे आंखों को आराम मिलता है। साथ ही ड्राई आंखों की परेशानी भी कम होती है। इसके अलावा स्क्रीन पर काम करते हुए बार-बार पलकें झपकाएं। याद रखें, हर 5 सेकंड में एक बार पलकें झपकनी चाहिए।

महिलाओं के लिए पीली किशमिश अधिक फायदेमंद या काली किशमिश? एक्सपर्ट ने कंफ्यूजन को किया दूर, बताए 5 चमत्कारी लाभ

काली किशमिश महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद होती है. यह न सिर्फ प्रेग्नेंसी बल्कि यौन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी असरदार मानी जाती है. यह इतनी कारगर है कि इसका पानी भी सेहत के लिए चमत्कार की तरह काम कर सकता है. आइए गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव से जानते हैं काली किशमिश के चमत्कारी लाभ-

किशमिश सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है. खासतौर पर महिलाओं के लिए. यदि आप किशमिश को भिगोकर खाते हैं तो इसका आपको दोगुना लाभ प्राप्त हो सकता है. हालांकि, इसका लाभ लेने के लिए महिलाएं अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज में आती हैं कि उन्हें पीली किशमिश खाना चाहिए या काली किशमिश. जी हां, एक्सपर्ट के मुताबिक, काली किशमिश महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद होती है. यह न सिर्फ प्रेग्नेंसी बल्कि यौन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी असरदार मानी जाती है. यह इतनी कारगर है कि इसका पानी भी सेहत के लिए चमत्कार की तरह काम कर सकता है. आइए डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव से जानते हैं काली किशमिश के चमत्कारी लाभ-

महिलाओं के लिए काली किशमिश के 5 चमत्कारी लाभ

यौन स्वास्थ्य बेहतर बनाए: एक्सपर्ट के मुताबिक, महिलाओं के लिए काली किशमिश अधिक फायदेमंद होती है. बता दें कि, काली किशमिश में अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में होता है, जो यौन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है. दरअसल, अमीनो एसिड संभावित रूप से गर्भधारण की संभावना को भी बढ़ा सकता है. इनमें एल-आर्जिनिन की मौजूदगी गर्भाशय और अंडाशय में ब्लड फ्लो को बढ़ा सकती है.

यौन स्वास्थ्य बेहतर बनाए: एक्सपर्ट के मुताबिक, महिलाओं के लिए काली किशमिश अधिक फायदेमंद होती है. बता दें कि, काली किशमिश में अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में होता है, जो यौन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है.

प्रजनन क्षमता बढ़ाए: महिलाओं को काली किशमिश अपनी डाइट में जरूर शामिल करनी चाहिए. दरअसल, प्रजनन क्षमता को बढ़ाने के लिए काली किशमिश का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है. इसके लिए इसे रातभर भीगने दें और अगले दिन छान लें. इसके बाद किशमिश को पीसकर उसका रस निकाल लीजिए. फिर आप इस मिश्रण को पी सकते हैं.

प्रेग्नेंसी में करें सेवन: काली किशमिश को गर्भावस्था के दौरान अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए. गर्भावस्था के दौरान काली किशमिश को पानी में भिगोने से कब्ज से प्रभावी रूप से राहत मिल सकती है. इसके अलावा काली किशमिश के पानी को डाइट में शामिल करने से गर्भवती महिलाओं को कई लाभ मिल सकते हैं. इसके अलावा, इसका नियमित सेवन एनीमिया को रोकने और हीमोग्लोबिन लेवल को बनाए रखने में मदद कर सकता है.

स्किन के लिए फायदेमंद: विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से युक्त काली किशमिश स्किन को पोषण देने का काम करती है. बता दें कि, इसके डिटॉक्सिफाइंग और एंटी-एजिंग गुण त्वचा को साफ, चमकदार और लंबे समय तक जवां बनाए रखने में मदद करते हैं. इसके अलावा, विटामिन सी मुंहासे को रोकने में भी मदद करता है. इसका लाभ लेने के लिए रोज एक कप पानी में 8-10 काली किशमिश भिगोकर इसका पानी खाली पेट पीना चाहिए.

इम्यूनिटी मजबूत करे: गर्भावस्था के दौरान इम्यून सिस्टम में बदलाव आते हैं. कई विटामिन और मिनरल से भरपूर काली किशमिश का पानी, इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है, जो सामान्य बीमारियों और इंफेक्शन से सुरक्षा प्रदान करता है. वहीं, काली किशमिश के पानी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर लेवल को स्थिर बनाए रखने में योगदान देता है, जिससे इन कॉम्प्लीकेशन्स की संभावना कम हो जाती है.

जेएनयू में चार साल बाद छात्र संघ चुनाव की घोषणा, 22 मार्च को पड़ेंगे वोट और इस दिन आएगा रिजल्ट

परिवहन विशेष न्यूज

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। 22 मार्च को छात्र जेएनयूएसयू (JNUSU) को चुनन के लिए मतदान करेंगे। 24 मार्च को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान सुबह नौ से एक और दोपहर ढाई से शाम 5 .30 बजे तक दो चरणों में होगा। चुनाव बैलेट पेपर से ही कराएंगे। 20 मार्च को प्रेसिडेंशियल डिबेट का आयोजन किया जाएगा।

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। 22 मार्च को छात्र जेएनयूएसयू (JNUSU) को चुनन के लिए मतदान करेंगे। 24 मार्च को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान सुबह नौ से एक और दोपहर ढाई से शाम 5.30 बजे तक दो चरणों में होगा। चुनाव बैलेट पेपर से ही कराएंगे।

20 मार्च को प्रेसिडेंशियल डिबेट का आयोजन किया जाएगा। चुनाव समिति की छात्र संगठनों के साथ रविवार देर रात तक चली बैठक में यह निर्णय लिया गया। अंतिम शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रत्याशी 15 तारीख को नामांकन दाखिल करेंगे। 16 मार्च को प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।

बैलट पेपर पर होगा जेएनयूएसयू का चुनाव

चुनाव समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि देर रात तक समिति की बैठक हुई। इसके बाद चुनाव संबंधी कार्यक्रम जारी किया गया है। सभी छात्र संगठनों के साथ बैठक में सभी मुद्दों पर सहमति बन गई है। चुनाव समिति में और सदस्यों को भी जोड़ा जाएगा।

उनका चयन जेएनयूएसयू के संविधान में बताए गए नियमों के तहत होगा। एक आंशिक नियमावली भी जारी कर दी गई है। इसके तहत छात्र सिर्फ हाथ से बनाए पोस्टर उपयोग करेंगे। पोस्टर जारी करने से पहले चुनाव समिति को दिखाकर अनुमति लेनी होगी। जेएनयू की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी।

चार साल बाद होंगे चुनाव

बता दें कि जेएनयू में छात्र संघ चुनाव (JNU Student Union Election) चार साल बाद होने जा रहे हैं। कोविड महामारी के बाद से चुनाव रुके हुए थे। सभी छात्र संगठन लगातार चुनाव के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। जेएनयू प्रशासन की ओर से फरवरी में एक अधिसूचना जारी कर चुनाव पर सहमति दी गई।

इसके बाद यूनिवर्सिटी जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित की गई और इसमें चुनाव समिति बनाने के लिए स्कूल जीबीएम का आयोजन किया गया। छात्रों की ओर से सौंपे गए नामों को डीन ऑफ स्टूडेंट्स ने स्वीकृत कर दिया और 42 सदस्यों की चुनाव समिति बनाई गई है। इसके साथ ही 29 पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए गए हैं। प्रोफेसर को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

दिल्ली में बैंक मैनेजर बना ठग, अच्छा रिटर्न देने के बहाने ग्राहक से 12 करोड़ की हड़पे; 40 खातों में ट्रांसफर की रकम

अच्छे रिटर्न देने के बहाने एक बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा ही ग्राहक से 12 करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। विदेश में रह रहे ग्राहक को विश्वास में लेकर एफडी के नाम पर शाखा प्रबंधक ने चार साल में ये रुपये लिए और बदले में फर्जी कागजात देकर रकम को विभिन्न खातों में अवैध तरीके से हंस्तातरित करता गया।

नईदिल्ली। अच्छे रिटर्न देने के बहाने एक बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा ही ग्राहक से 12 करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। विदेश में रह रहे ग्राहक को विश्वास में लेकर एफडी के नाम पर शाखा प्रबंधक ने चार साल में ये रुपये लिए और बदले में फर्जी कागजात देकर रकम को विभिन्न खातों में अवैध तरीके से हंस्तातरित करता गया।

इस जनवरी में इसका पता लगने पर पीड़ित ग्राहक ने शाखा प्रबंधक के खिलाफ शिकायत दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जांच के बाद आरोपित शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में विदेश में रहने वाली गुरुग्राम निवासी पीड़ित ने शिकायत दी थी कि आईसीआईसीआई बैंक की विकासपुरी शाखा के प्रबंधक आरोपित वरुण वशिष्ठ ने अपने साथी और अन्य बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर अच्छे रिटर्न देने के बहाने धोखाधडी से उनके और उनके पति के लगभग 12 करोड़ रुपये ठग लिए और पूरा पैसा हड़प लिया।

पीड़ित द्वारा वर्ष 2019 से 2023 की अवधि के दौरान आईसीआईसीआई के दो खातों में 13.5 करोड़ का निवेश किया गया था, जिसमें से अधिकांश सावधि जमा (एफडी) के रूप में निवेश की गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार जनवरी 2024 तक यह राशि ब्याज सहित 16 करोड़ से ज्यादा होती है।

आरोपित ने अन्य अधिकारियों की मिलीभगत कर अवधि पूरी होने से पहले ही खातों से पैसे निकाल लिए थे। पैसे निकालने का खेल ज्यादातर विकासपुरी शाखा में ही हुआ था। आरोपित ने ग्राहक की संतुष्टि के लिए 12 सावधि जमा खाते खोलने की रसीद उन्हें दी, जो फर्जी थे। जनवरी 2024 को शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके नाम पर कोई सावधि जमा नहीं है।

इसी क्रम में उसे बताया गया कि उसके नाम पर तीन करोड़ रुपये से एक खाता खुला है, जिसपर लगभग 2.73 करोड़ का ऋण भी है। बता दें कि आरोपित वरुण वशिष्ठ भी गुरुग्राम का रहने वाला है, पुलिस ने इसे द्वारका से पकड़ा था।

ईओडब्ल्यू के डीसीपी विक्रम पोरवाल की टीम को जांच के दौरान पता चला कि शिकायतकर्ता के खातों से 40 से ज्यादा खातों में पैसा भेजा गया। जांच में सामने आया कि वरुण वशिष्ठ शिकायतकर्ता के खाते से पैसे निकालने के लिए शाखा से सभी दस्तावेज प्राप्त करने में कामयाब रहा। साथ ही वह शाखा में शिकायकर्ता की चेकबुक और डेबिट कार्ड अपने पास रख लिया था।

पीएमएलए के तहत ठोस सुबूत नहीं है सह-अभियुक्त का इकबालिया बयान: दिल्ली हाईकोर्ट

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक आरोपित को जमानत देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि धन-शोधन निवारण अधिनियम-2002 की धारा 50 के तहत सह-अभियुक्त का इकबालिया बयान कोई ठोस सुबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि उक्त बयान का उपयोग केवल आश्वासन देने के लिए अन्य सुबूतों के समर्थन में पुष्टि के लिए किया जा सकता है।

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक आरोपित को जमानत देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि धन-शोधन निवारण अधिनियम-2002 की धारा 50 के तहत सह-अभियुक्त का इकबालिया बयान कोई ठोस सुबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि उक्त बयान का उपयोग केवल आश्वासन देने के लिए अन्य सुबूतों के समर्थन में पुष्टि के लिए किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने कहा कि धारा-50 के तहत दर्ज किए गए गवाहों के बयानों की सुनवाई के दौरान केवल ट्रायल कोर्ट द्वारा सावधानीपूर्वक सराहना की जानी चाहिए और जमानत के चरण में संक्षिप्त सुनवाई नहीं हो सकती है।

अदालत ने यह भी कहा कि जबऐसे बयान जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्री का हिस्सा होते हैं तो निश्चित रूप से उन्हें जमानत आवेदन पर विचार करने के चरण में देखा जा सकता है। उक्त टिप्पणियां करते हुए अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित संजय जैन को दो लाख रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर सशर्त जमानत देते हुए कीं।

भ्रष्टाचार और उर्वरक कच्चे माल का आयात करके सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के आरोप में इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव (इफको) लिमिटेड के सीईओ और एमडी और कई अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआइ की प्राथमिकी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामला दर्ज किया था। जैन को जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया अपराध की प्रकृति कमजोर प्रतीत होती है और वह इसका लाभ पाने का हकदार हैं।

दिल्ली की जनता की पुकार
निलंबन आदेश तुरंत रद्द करें...!
हमें कानून व्यवस्था चाहिए,
तुष्टिकरण नहीं...!

सड़क पर नमाज के बहाने यातायात बाधित करना अविलंब बंद हो... ! सड़के आने-जाने और वाहन चलाने के लिए होती हैं, ना कि नमाज अथवा इबादत आदि के लिए!

पुलिस अधिकारी मनोज तोमर ने क्या गलत नहीं किया है, वो केवल अपनी ड्युटी (कर्तव्य) का निर्वाह कर रहे थे। सड़क जाम होने का हवाला देकर कई बार नमाजियों को वहां से हटने के लिए कहा गया लेकिन जब वह नहीं माने तब मनोज तोमर को बल का इस्तेमाल करना पड़ा।

पुलिस अधिकारी मनोज तोमर को सस्पेंड करना गलत है। गलती केवल उनकी नहीं थी बल्कि उन नमाजियों की भी थी जो बार-बार कहने के बावजूद वहां से नहीं हटे।

जिस पुलिस वाले (मनोज तोमर जी) ने अतिक्रमण रोकने के लिए नियम और भारतीय कानून में प्राप्त अपने अधिकारों का प्रयोग किया उसे सम्मानित करने के स्थान पर सस्पेंड कर दिया जाना और सड़को पर कब्जा और धर्म के नाम पर सड़को को घेरकर जनता को परेशान करने वालो और देश में भय और अराजकता के साथ नियम/ कानून की धज्जियां उड़ाकर अपनी ताक़त का वातावरण बनाने वालो को भारत देश की न्याय की ताकत दिखाने का समय आ गया है।

सब इंस्पेक्टर मनोज तोमर के समर्थन के लिए तथा देश के लिए घोषित नियमो की रक्षा के लिए

इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
दिन मंगलवार 12/03/2024
समय 11:00 बजे
को हनुमान चालीसा पाठ
का आयोजन किया जा रहा है।

जिन्हे लगता है की भारत को इस विकृति से बचाना है, वह समस्त जनबल के साथ अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे।

भारत हिंदुओं का पहला और आज के युग का अंतिम देश है, इसकी रक्षा करना ही हिन्दू धर्म है।

नए अस्पताल के संचालन से एम्स की इमरजेंसी सेवा होगी बेहतर, मरीजों को जल्दी मिल सकेगा इलाज

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मैदान गढ़ी में नवनिर्मित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल चिकित्सा विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआइएमएस) के संचालन की कमान एम्स को मिलने से इस अस्पताल की इमरजेंसी सेवा में सुधार होने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि नए अस्पताल का संचालन शुरू होने पर एम्स अपनी इमरजेंसी से मरीजों को नए अस्पताल में स्थानांतरित कर सकेगा। मरीजों को जल्दी इलाज मिल सकेगा।

नई दिल्ली। मैदान गढ़ी में नवनिर्मित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल चिकित्सा विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआइएमएस) के संचालन की कमान एम्स को मिलने से इस अस्पताल की इमरजेंसी सेवा में सुधार होने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि नए अस्पताल का संचालन शुरू होने पर एम्स अपनी इमरजेंसी से मरीजों को नए अस्पताल में स्थानांतरित कर सकेगा। इससे एम्स की इमरजेंसी में मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मरीजों को जल्दी इलाज मिल सकेगा।

अभी एम्स की इमरजेंसी में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए बेड की कमी है। इसका कारण यह है कि एम्स की इमरजेंसी में करीब

85 बेड है। जबकि प्रतिदिन करीब 800 मरीजों के पहुंचने के कारण मरीज घंटों इलाज के लिए स्ट्रेचर पर पड़े इंतजार करने को मजबूर होते हैं। कई मरीजों को बगैर इलाज के दूसरे अस्पतालों में जाना पड़ता है। इमरजेंसी की व्यवस्था को सुधारना एम्स प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

मास्टर प्लान की योजना अभी भी लंबित पड़ी

एम्स के मास्टर प्लान में 300 बेड की क्षमता का इमरजेंसी ब्लॉक बनाने की योजना है। ताकि गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने पर तुरंत इलाज मिल सके लेकिन मास्टर प्लान की योजना अभी लंबित पड़ी है। इन तमाम कारणों से एम्स प्रशासन ने इमरजेंसी सेवाओं में सुधार के लिए कुछ अस्पतालों का संचालन अपने हाथ में लेने की पहल की थी। जिसमें (सीएपीएफआइएमएस) व द्वारा में स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल शामिल है।

एम्स को सौंपने का मामला राजनीतिक कारणों से रुका

द्वारका स्थित अस्पताल का संचालन एम्स को सौंपने का मामला राजनीतिक कारणों से रुक गया है। लेकिन सीएपीएफआइएमएस के संचालन की जिम्मेदारी एम्स को मिलने के बाद अस्पताल के अधिकारी बताते हैं कि एम्स इसका इस्तेमाल अपने एक रेफरल सिस्टम के रूप में भी करेगा। इसलिए एम्स की इमरजेंसी से स्टेबल मरीज नए अस्पताल में भेजे जा सकेंगे। इससे दूसरे गंभीर मरीजों को एम्स की इमरजेंसी में जल्दी बेड उपलब्ध हो सकेगा। लेकिन नए अस्पताल के संचालन को लेकर एम्स ने अभी अपनी रणनीति सार्वजनिक नहीं की है।

अखिल भारतीय संत समिति ने राजनीतिक दलों के समक्ष रखा है नौ सूत्रीय आकांक्षा पत्र।

आम चुनाव में सक्रिय भूमिका में होगा देश का संत समाज, UCC, लव जिहाद और वक्फ एक्ट समेत ये मुद्दे उठाएगा

परिवहन विशेष न्यूज

अयोध्या में श्री रामलला के मंदिर के निर्माण से उत्साहित संत समाज आम चुनाव में तटस्थता के स्थान पर सक्रिय भूमिका में रहने की तैयारी की है। क्योंकि हिंदू समाज से जुड़े कई मुद्दों का निराकरण सत्ता व न्याय के रास्ते निकलता दिख रहा है। इसलिए महासमर की घोषणा से पूर्व ही संत समाज चुनाव को लेकर सक्रिय हो चुका है।

नई दिल्ली। अयोध्या में श्री रामलला के मंदिर के निर्माण से उत्साहित संत समाज आम चुनाव में तटस्थता के स्थान पर सक्रिय भूमिका में रहने की तैयारी की है। क्योंकि, हिंदू समाज से जुड़े कई मुद्दों का निराकरण सत्ता व न्याय के रास्ते निकलता दिख रहा है। इसलिए महासमर की घोषणा से पूर्व ही संत समाज चुनाव को लेकर सक्रिय हो चुका है।

इसके लिए एक ओर जहां विहिप की पहल पर संत समाज की राज्यवार बैठकों का दौर तेज है तो देशभर के प्रमुख संतों से विमर्श के बाद अखिल भारतीय संत समिति ने नौ सूत्रीय आकांक्षा पत्र भी तैयार किया है, जिसे इस चुनाव में प्रत्याशियों के साथ ही राजनीतिक दलों के समक्ष रखा जाएगा।

इसे तैयार करने में विहिप (विश्व हिंदू परिषद) के साथ ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, श्री काशी विद्वत परिषद समेत अन्य हिंदू संगठनों का भी सहयोग लिया गया है।

उक्त आकांक्षा पत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की मांग प्रमुख है, जिसे हाल ही में लागू कर गोवा के बाद उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य बन गया है। इसी तरह संघीय कानून बनाकर शासन के नियंत्रण वाले मंदिरों को वापस हिंदू समाज को देने की मांग पर भी जोर है।

अक्सर विवादों में रहते लव जिहाद तथा अवैध मतांतरण को रोकने के लिए कानून बनाने समेत अन्य मांगें है। संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती के अनुसार, इस आकांक्षा पत्र को भाजपा, कांग्रेस पार्टी समेत अन्य सभी दलों के सामने रखा जाएगा तथा उनसे नौ सूत्रीय मांगों पर राजनीतिक स्पष्टता की मांग की जाएगी।

संत समाज लंबे समय से वक्फ एक्ट 1995 को रद्द करने या उसमें बदलाव कर वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित करने के अधिकार को वापस लेने की भी मांग कर रहा है। नौ सूत्रीय आकांक्षा पत्र में प्रत्येक संप्रदाय को अपना शैक्षणिक व सांस्कृतिक संस्थानों को स्थापित करने तथा पाठ्यक्रम निर्माण व संचालन में स्वायत्ता की मांग की गई है। जबकि, देश के विभिन्न राज्यों में संतों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर संत सेवा प्राधिकरण की भी मांग रखी गई है।

वहीं, विहिप द्वारा संतों का मत तैयार करने के लिए राज्यवार संतों की बैठकें की जा रही है। इस क्रम में 19 मार्च को दिल्ली में मार्गदर्शक की बैठक आयोजित की गई है, जिसमें दिल्ली समेत देश के प्रमुख संत भी शामिल होंगे।

राष्ट्र सेविका समिति ने संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार को बताया दुर्भाग्यपुर्ण

राष्ट्र सेविका समिति ने बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को दुर्भाग्यपुर्ण बताया है। साथ ही राज्य की मुख्यमंत्री स्वयं एक महिला होने के उपरांत भी वहां अपराधियों को राज्य सरकार द्वारा बचाने के प्रयास का आरोप लगाते हुए निंदा की। जगत जननी ऐसी मातृत्व की त्रिधाराओं की विश्व में प्रतिस्थापना करने वाले सोनार बंगला में निरीह निरपराध महिलाओं का शोषण और दर्दनाक उत्पीड़न सर्वथा निंदनीय है।

नई दिल्ली। राष्ट्र सेविका समिति ने बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को दुर्भाग्यपुर्ण बताया है। साथ ही राज्य की मुख्यमंत्री स्वयं एक महिला होने के उपरांत भी वहां अपराधियों को राज्य सरकार द्वारा बचाने के प्रयास का आरोप लगाते हुए निंदा की है। उन्होंने कहा कि, जननी, जन्मभूमि और जगत जननी ऐसी मातृत्व की त्रिधाराओं की विश्व में प्रतिस्थापना करने वाले सोनार बंगला में निरीह, निरपराध महिलाओं का शोषण और दर्दनाक उत्पीड़न सर्वथा निंदनीय है। राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका सीता गायत्री अन्नदानम ने जारी बयान में कहा कि पिछले कुछ वर्षों से 24 परगना जिले के इस सीमावर्ती क्षेत्र में सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। अराजकता का माहौल, असामाजिक तत्वों की सक्रियता, अवैध घुसपैठ और जनसंख्या को असंतुलित करने के प्रयास राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत पीड़ादायक है।

मोबाइल पर बात करते-करते ट्रेन के सामने कूदी युवती, परिजनों का आरोप- फोन पर सुसाइड के लिए किसी ने उकसाया

गाजियाबाद के डायमंड आरओबी के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव बरामद हुआ। रविवार को पुलिस ने खुलासा कि युवती मोबाइल पर बात करते-करते अचानक ट्रेन के सामने आकर सुसाइड कर लिया। परिजनों का आरोप है कि उसे किसी ने मोबाइल पर बात करते हुए आत्महत्या के लिए मजबूर किया है। युवती की पहचान प्रिया के तौर पर हुई है।

गाजियाबाद। डायमंड आरओबी के पास रेलवे ट्रैक पर शनिवार दोपहर मिले युवती के शव मामले में पीड़ित स्वजन ने आरोप लगाया है कि घटना के समय युवती काफी देर से मोबाइल पर बात कर रही थी। बात करने के दौरान ही अचानक वह तेज गति से आ रही ट्रेन के आगे कूद गई। स्वजन का आरोप है कि उसे किसी ने मोबाइल पर बात करते हुए आत्महत्या के लिए मजबूर किया है।

शनिवार देर रात पुलिस ने कविनगर थाने में युवती प्रिया के पिता कमल सिंह की शिकायत पर अज्ञात पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पिता ने बताया है कि युवती रोजाना की तरह बम्हैटा से साढ़े नौ बजे डायमंड पैलेस के पास स्थित दिशा कोचिंग सेंटर गई थी। रोजाना युवती करीब साढ़े 12 बजे घर पहुंच जाती थी, लेकिन शनिवार को घर नहीं पहुंचने पर स्वजन उसको तलाश करते हुए कोचिंग सेंटर पहुंचे।

युवती के मोबाइल से मिल सकता है कोई सुराग

सेंटर पर बताया गया कि युवती करीब 12 बजे घर के लिए निकल गई थी। तलाश करते हुए उन्हें पता चला कि डायमंड आरओबी के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव मिला है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने शव की पहचान अपनी पुत्री प्रिया के रुप में की। युवती के मोबाइल से पुलिस को मामले में कुछ सुराग मिल सकते हैं।

युवती का मोबाइल बरामद नहीं हुआ है। काल रिकार्ड खंगालकर जांच तेजी से पूरी कराई जाएगी।

- अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी कविनगर

दिल्ली से सटे इस शहर को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, हुआ शिलान्यास, जल्द बनकर होगा तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश को गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन के रूप में चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जल्द मिलेगा। रविवार को बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. वीके सिंह ने गाजियाबाद में संयुक्त रूप से प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि तमाम बाधाओं को पार कर स्टेडियम का निर्माण कार्य जल्द ही आरंभ किया जाएगा।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश को गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन के रूप में चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जल्द मिलेगा। रविवार को बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. वीके सिंह ने गाजियाबाद में संयुक्त रूप से प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि तमाम बाधाओं को पार कर स्टेडियम का निर्माण कार्य जल्द ही आरंभ किया जाएगा।

राजनगर एक्सटेंशन स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास करते बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला व केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गाजियाबाद में जल्द बनकर तैयार होगा। अभी प्रस्तावित स्टेडियम की जमीन का भूउपयोग बदलना, बिजली के खंभे व तार के अलावा इंडियन एयर फोर्स से अनापत्ति मिलना बाकी है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री डॉ. वीके सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा कि स्टेडियम के निर्माण के बीच आ रही बाधाओं को उम्मीद है कि जल्द दूर करा लिया जाएगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में वाराणसी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए गाजियाबाद में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. वीके सिंह ने कहा कि स्टेडियम के निर्माण के लिए उन्होंने अपनी ओर से तमाम प्रयास किए हैं।

यहां तक पहुंचने के लिए सड़के खराब हैं, जिन्हें जल्द ठीक कराया जाएगा। स्टेडियम का तेजी के साथ निर्माण होगा और यहां खेल प्रेमी मैच होते हुए देखेंगे। स्टेडियम कमेटी के संयोजक राकेश मिश्रा ने कहा कि आगामी 2026 तक स्टेडियम बनकर तैयार हो जाएगा, जो भी कमियां हैं उन्हें दूर कराया जा रहा है।

बीसीसीआई देती है 35 प्रतिशत टैक्स

स्टेडियम शिलान्यास अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. वीके सिंह ने अपने संबोधन में बीसीसीआई पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह संस्था एक रुपया भी टैक्स नहीं देती। बीसीसीआई पर अथाह पैसा है वह इसे भव्य स्तर पर बनवाने में पैसा खर्च करे। इसके जवाब में अपने संबोधन में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने केंद्रीय राज्यमंत्री से कहा कि आपको इसकी जानकारी नहीं है।

बीसीसीआई जितना टैक्स अदा करती उतना शायद कोई बड़ा उद्योग घराना भी नहीं करता। 35 प्रतिशत टैक्स अदा करने के बाद यूपीसीए इसके अलावा टैक्स देती है। यह बात सुन केंद्रीय राज्यमंत्री नीचे मुंह कर मुस्कुराते रहे।

यूपीसीए की जमीन पर होगा अपना पहला स्टेडियम

उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर दो स्टेडियम में कानपुर का ग्रीन पार्क और लखनऊ का इकाना स्टेडियम है। वहीं, वाराणसी में स्टेडियम का निर्माण चल रहा है। ग्रीन पार्क प्रदेश सरकार के अधीन आता है, जबकि इकाना स्टेडियम को पीपीपी मॉडल के तहत बनाया गया है। वाराणसी में बन रहे स्टेडियम की जमीन राज्य सरकार ने दी है और उसका निर्माण उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) कर रहा है। लेकिन गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में बनने वाला यह पहला स्टेडियम होगा, जिसकी जमीन भी यूपीसीए की है और इसका निर्माण भी वही कराएगा।

नोएडा के शख्स से 88.09 लाख की ठगी, आप भी ऐसे झांसों से बचें; नहीं जाएगी रकम

शेयर मार्केट में निवेश के लिए ऐप डाउनलोड कराकर 88.09 लाख रुपये की ठगी कर ली। यही नहीं जालसाजों ने सेबी से जुर्माना लगाने की धमकी देकर 6.5 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जनवरी 2024 में उन्हें प्राफिटेबल पोर्टफोलियो पंडित वॉट्सऐप ग्रुप से एक लिंक मिला।

नोएडा। शेयर मार्केट में निवेश के लिए ऐप डाउनलोड कराकर 88.09 लाख रुपये की ठगी कर ली। यही नहीं जालसाजों ने सेबी से जुर्माना लगाने की धमकी देकर 6.5 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-75 स्थित गोल्फ सिटी सोसाइटी के हरिकुमार वंगापल्ली ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि जनवरी 2024 में उन्हें प्राफिटेबल पोर्टफोलियो पंडित वॉट्सऐप ग्रुप से एक लिंक मिला। लिंक पर क्लिक करने के बाद ग्रुप एडमिन एरिका और फूया के प्रबंधक ने स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के उद्देश्य से एक ऐप डाउनलोड कराया।

इसके बाद अपने बैंक खाते से कुल 28 बार में 81,59,434 रुपये ट्रांसफर कर दिए। ऐप कुछ समय बाद ऐप पर धीरे-धीरे लाभ भी दिखाई देने लगा। कुल लाभ 65,55,434 रुपये दिखाई देने लगे। निवेश की धनराशि मिलाकर कुल राशि 1,43,57,841 रुपये हो गई। पीड़ित ने जब भी धनराशि निकालने के लिए कहा तो जालसाजों ने उनसे मना कर दिया।

आरोप है कि 29 जनवरी 2024 को जालसाजों ने फूया का खाता फ्रीज कर दिया। पूछने पर कहा कि सेबी ने कुछ जुर्माना भरने के लिए कहा है। इसके बाद ऐप पर कोई राशि नहीं दिखाई दे रही थी। अब आरोपितों ने कहा कि वह मुनाफे की 10 प्रतिशत राशि यानी 6.55 लाख रुपये देने होंगे।

पीड़ित ने धनराशि निकालने के लिए साढ़े छह लाख रुपये भी जमा करा दिए। इसके बाद जालसाजों ने कुल धनराशि का 10 प्रतिशत यानी 14.5 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। उसके बाद ही भुगतान करने के लिए कहा रहे हैं। अन्यथा खाता फ्रीज करने की धमकी दे रहे हैं। तब जाकर शिकायतकर्ता को ठगी का अहसास हुआ। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश नैथानी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर को भाईयों ने पीट-पीटकर किया अधमरा, दोनों पक्षों में चले लाठी-डंडे और फावड़ा

कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र के गांव सर्फाबाद में जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों की ओर से लाठी-डंडे और फावड़ा चले। मारपीट के दौरान हिस्ट्रीशीटर का सिर फट गया। उनका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र के गांव सर्फाबाद में जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों की ओर से लाठी-डंडे और फावड़ा चले। मारपीट के दौरान हिस्ट्रीशीटर का सिर फट गया। उनका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सर्फाबाद गांव में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। यह विवाद एक ही परिवार के कुछ लोगों के बीच चल रहा है। रविवार शाम दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और खूब लाठी-डंडे चले। इस विवाद के दौरान एक पक्ष अपने घर से फावड़ा लेकर आ गया और दूसरे पर जानलेवा हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार, विवाद के दौरान दो लोगों को काफी गंभीर चोट लगी है। जिनमें से एक कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने इस मामले में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है की जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने निकलकर आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों पक्षों की ओर से मिली शिकायत पर जांच की जा रही है।

एल्विश यादव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, यूट्यूबर पर पीपल फॉर एनिमल संस्था से जुड़े शख्स को उठाने की धमकी देने का आरोप

पीपल फॉर एनिमल संस्था से जुड़े राजनगर एक्सटेंशन निवासी गौरव गुप्ता ने यूट्यूबर एल्विस यादव पर केस दर्ज करने के लिए नंदग्राम थाने में शिकायत दी है। गौरव गुप्ता का कहना है कि एल्विश ने उन्हें उठाने की धमकी दी है। नोएडा मामले में गौरव ने ही पुलिस को शिकायत दी थी। एल्विश यादव फिलहाल यूट्यूबर मैक्सटर्न से हुए विवाद को लेकर चर्चा में हैं।

गाजियाबाद। पीपल फॉर एनिमल संस्था से जुड़े राजनगर एक्सटेंशन निवासी गौरव गुप्ता ने यूट्यूबर एल्विश यादव (Youtuber Elvish Yadav) पर केस दर्ज करने के लिए नंदग्राम थाने में शिकायत दी है। गौरव गुप्ता का कहना है कि एल्विश ने उन्हें उठाने की धमकी दी है। नोएडा मामले में गौरव ने ही पुलिस को शिकायत दी थी।

पीएफए में एनिमल वेलफेयर अधिकारी जुड़े गौरव गुप्ता के मुताबिक उन्होंने बीते वर्ष तीन नवंबर को नोएडा सेक्टर-49 थाने में एल्विश यादव पर रेव पार्टी में सांपों के जहर का प्रयोग करने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद से एल्विश उन पर दबाव बनाए हुए है और धमकियां दी जा रही हैं।

जनवरी में ही उन्होंने एल्विश पर नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। अब फिर से एल्विश की तरफ से इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित कर दोनों भाइयों को धमकी दी जा रही है।

गौरव का आरोप है कि एल्विश एवं उसके गिरोह से जुड़े लोग लगातार गौरव गुप्ता एवं उनके भाई सौरव गुप्ता को धमका रहे हैं। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच कर शीघ्र उचित कार्रवाई की जाएगी।

कोई खिलाड़ी देश से बड़ा नही, ईशान और श्रेयस ने बीसीसीआई की अवहेलना का खामियाजा भुगता

ईशान को जरूर यह लगा होगा कि उसे टीम में तो रखा जा रहा है लेकिन अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिल रहा। एक युवा मन का आक्रोश भी कभी-कभी बाहर आ जाता है। वनडे विश्व कप में लगभग एक ही एकादश हर मैच में उतारा गया।

आदर्श प्रकाश सिंह।

क्रिकेट के खेल में आजकल बहुत कम समय में खिलाड़ी 'स्टार' बन जा रहे हैं। निश्चित रूप से इसका श्रेय आईपीएल को दिया जाना चाहिए। हर साल होने वाले इस टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन करके ढेरों युवा भारतीय टीम में शामिल होने का सपना देखते हैं। कुछ तो जल्द सफलता हासिल कर लेते हैं जबकि कुछ को लंबा इंतजार करना पड़ता है। कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जो टीम में प्रवेश तो पा जाते हैं लेकिन फिर अंदर बाहर होते रहते हैं। इन्हीं में से एक प्रतिभाशाली ईशान किशन हैं जिन्हें अभी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ईशान किशन और श्रेयस अय्यर का मामला आजकल चर्चा में है। इन दोनों को बीसीसीआई ने अपनी अनुबंध सूची से बाहर कर दिया है। बीसीसीआई की अवहेलना का खामियाजा इन्हें भुगतना पड़ा है। पहले ईशान की बात करते हैं। वनडे विश्व कप में वह भारतीय टीम में थे लेकिन केवल दो मैच ही खेल पाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जब भारतीय टीम गई तो ईशान ने कोच राहुल द्रविड़ से ब्रेक मांग लिया। यानी खेलने में असमर्थता जता दी। जाहिर है, बाएं हाथ का यह विकेटकीपर बल्लेबाज लगातार बेंच पर बैठने से हताश निराश हो गया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में भी उसे मौका नहीं दिया गया। उसकी जगह जितेश शर्मा को आजमाया गया।

ईशान को जरूर यह लगा होगा कि उसे टीम में तो रखा जा रहा है लेकिन अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिल रहा। एक युवा मन का आक्रोश भी कभी-कभी बाहर आ जाता है। वनडे विश्व कप में लगभग एक ही एकादश हर मैच में उतारा गया। चूंकि भारतीय टीम लगातार जीत रही थी इसलिए कोच और कप्तान ने कोई बदलाव किया ही नहीं। फाइनल मुकाबले में हार से पहले टीम इंडिया ने हर मैच जीता था। हो सकता है ईशान किशन ने ब्रेक लेकर अपनी भड़ास निकाली हो। उसे लग गया कि दक्षिण अफ्रीका दौरे में केएल राहुल के रहते उसे अब मौका फिर नहीं मिलेगा। यहां तक तो ठीक था लेकिन भारत आकर ईशान ने अपने को घरेलू क्रिकेट से दूर कर लिया। बीसीसीआई के निर्देशों के बावजूद उसने अपनी झारखंड टीम की ओर से कोई मैच नहीं खेला। वह हार्दिक पांड्या के साथ अभ्यास में जुटा रहा। चुकि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के नए कप्तान पांड्या हैं इसलिए वह पांड्या से नजदीक चला गया। इसी बीच बीसीसीआई की ओर से यह खबर आई कि जो खिलाड़ी बिना घरेलू क्रिकेट खेले सीधे आईपीएल खेलना चाहते हैं, वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। ईशान ने इस निर्देश को भी नजरंदाज कर दिया। यही वजह है कि उसे कांट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होना पड़ा है। एक होनहार खिलाड़ी को अनुशासन में रहना चाहिए।

बीसीसीआई देश में इस खेल की नियंता है। आप जिस संस्था के अधीन काम करते हैं उसकी अवहेलना करके कैसे रह सकते हैं? देश में युवा खिलाड़ियों की भरमार है। कोई खिलाड़ी यह समझ लेगा कि उसके बिना काम नहीं चल सकता तो यह उसकी भूल है। मौजूदा इंग्लैंड सीरीज इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। विराट कोहली निजी कारणों से उपलब्ध नहीं रहे। मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण नहीं खेल सके। इसके बावजूद भारतीय टीम ने इंग्लैंड से टेस्ट मैचों की यह सीरीज जीत ली है। कोई भी खिलाड़ी देश से बड़ा नहीं है।

भारत को 1983 में विश्व कप विजेता बनाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने भी इस विचार का समर्थन किया है। दरअसल, खेलों में अनुशासन का पालन भी करना होता है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता।

श्रेयस अय्यर का मामला भी इसी वजह से बिगड़ा। इंग्लैंड के साथ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका दिया गया। पर, इसी दौरान वह अनफिट हो गए। श्रेयस बार-बार चोटिल होकर टीम से बाहर होते रहे हैं। पिछले आईपीएल सीजन में वह एक भी मैच नहीं खेल पाए। जब अस्वस्थ होने के कारण टीम से छुट्टी हो गई तो उन्हें आराम करके रणजी मैच खेलने चाहिए थे। मगर, उन्होंने भी बीसीसीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया। इसके बाद अनुबंध सूची से उनको भी हटा दिया गया। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को मजबूत करना चाहती है। यही वह आधार है जिस पर खड़े होकर खिलाड़ी आगे बढ़ते हैं। रणजी मुकाबले में खेल कर कई खिलाड़ी भारतीय टीम में वापसी कर लेते हैं। चेतेश्वर पुजारा और अंजिक्य रहाणे वरिष्ठ क्रिकेटर हैं। इसके बावजूद खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम इंडिया से बाहर होना पड़ा। मगर, इन दोनों ने इस उम्मीद में रणजी मैच खेले कि इसमें अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो चयनकर्ताओं की नजर पड़ जाएगी। पुजारा ने तो काफी रन भी बनाए और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीद भी बन रही थी। खिलाड़ी कितना भी बड़ा हो वह खेल के नियमों, मर्यादा अथवा देश से बड़ा नहीं हो सकता। हो सकता है, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को यह बात अब समझ में आ गई होगी।

मारुति से लेकर रेनो तक की किस कॉम्पैक्ट एसयूवी पर है कितनी वेटिंग, जानें डिटेल

भारतीय बाजार में कॉम्पैक्ट सेगमेंट की एसयूवी को ग्राहकों की ओर से सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। जिस कारण इस सेगमेंट के वाहनों पर कई पर लंबी वेटिंग भी हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति हुंडई टाटा महिंद्रा किआ निसान और रेनो की किस Compact SUV को मार्च महीने में बुक करवाने के बाद कितना इंतजार करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट के वाहनों पर मार्च महीने में कितना इंतजार करना पड़ सकता है। किस Compact SUV पर इस महीने में सबसे कम और किस पर सबसे ज्यादा वेटिंग चल रही है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Tata Nexon

टाटा की ओर से सब फोर मीटर या Compact SUV सेगमेंट में नेक्सन को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी पर औसत वेटिंग दो महीने की है। लेकिन जयपुर, सूरत, लखनऊ, चेन्नई जैसे कुछ शहरों में इस एसयूवी पर तीन महीने तक का भी इंतजार करना पड़ सकता है।

Maruti Breeza

मारुति सुजुकी की ओर से ब्रेजा को भी इस सेगमेंट में लाया जाता है। कंपनी की यह एसयूवी अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली एसयूवी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च महीने में इस एसयूवी पर करीब एक से तीन महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। अहमदाबाद, मुंबई जैसे शहरों में इसके लिए दो महीने की वेटिंग है।

Hyundai Venue

हुंडई की ओर से Compact SUV सेगमेंट में वेन्यू और वेन्यू एन लाइन की बिक्री की जाती है। वेन्यू और वेन्यू एन लाइन पर करीब दो से पांच महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुणे में इस एसयूवी के लिए पांच महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

Kia Sonet

साउथ कोरियाई कार निर्माता किआ की ओर से इस सेगमेंट में सोनेट को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी पर भी औसतन 1.5 से दो महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। जानकारी के मुताबिक कोलकाता में इसके लिए सबसे ज्यादा वेटिंग पीरियड है, जबकि नोएडा और सूरत में इस एसयूवी पर एक महीने की वेटिंग है।

Mahindra Xuv300

महिंद्रा भी इस सेगमेंट में XUV300 को ऑफर करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से इस एसयूवी के फेसलिफ्ट वर्जन को जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है। ऐसे में कंपनी ने इसके मौजूदा वेरिएंट के लिए बुकिंग को रोक दिया है। जिसके बाद इस एसयूवी पर वेटिंग पीरियड करीब चार महीने तक का हो गया है।

Nissan Magnite

निसान की ओर से मैग्नाइट को Compact SUV के तौर पर भारतीय बाजार में उपलब्ध करवाया जाता है। इस एसयूवी पर करीब एक महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं रेनो की काइगर पर भी सबसे कम वेटिंग चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई शहरों में इन दोनों ही एसयूवी को आसानी से खरीदा जा सकता है।

सफर के दौरान कार को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं ये चार गैजेट्स, जानें पूरी डिटेल

देश में हर रोज बड़ी संख या में सड़क हादसे होते हैं जिनमें लाखों लोग घायल हो जाते हैं और कई लोगों की मौत हो जाती है। सफर के दौरान हादसों से बचते हुए कार को सुरक्षित चलाना काफी जरूरी होता है। सफर के दौरान कार को सुरक्षित रखने में कौन से चार गैजेट्स मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में बड़ी संख्या में सड़क हादसों में लोगों की मौत हो जाती है और हजारों लोग घायल हो जाते हैं। ऐसे में सफर के दौरान कार को सुरक्षित रखने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। किस तरह के चार गैजेट्स से कार को सुरक्षित रखा जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इसकी जानकारी दे रहे हैं। कई कारों में कंपनियों की ओर से टीपीएमएस यानि कि टायर प्रैशर मॉनिटरिंग सिस्टम दिया जाता है। लेकिन पुरानी कारों में इस फीचर को बाहर से भी लगाया जा सकता है। इस फीचर के कारण सड़क पर कार चलाते हुए सभी टायर्स में हवा के सही प्रैशर की जानकारी मिल जाती है। जिसका फायदा यह होता है कि अगर टायर में हवा काफी कम हो या फिर सामान्य से काफी ज्यादा हो तो हादसे का खतरा बढ़ने पर यह जानकारी देता है। जिससे टायर में सही हवा का प्रैशर मेंटेन किया जा सकता है और हादसे से बचा जा सकता है।

नाइट विजन ग्लास

बाजार में कार के लिए कई तरह के ग्लास मिलते हैं। अगर आप रात के समय ज्यादा ड्राइविंग करते हैं, तो आप नाइट विजन ग्लास को अपनी कार में लगवा सकते हैं। ऐसा करने से आपको रात के समय सफर करने पर ज्यादा आसानी होगी और आपकी विजिबिलिटी भी बेहतर हो जाएगी।

डैश कैम

कार में सुरक्षा को बढ़ाने के साथ ही सफर के दौरान सुरक्षा को बेहतर करने के लिए डैश कैम का उपयोग किया जा सकता है। बाजार में कई तरह के विकल्प वाले डैश कैम मिलते हैं। जिनको कार में आसानी से फिट किया जा सकता है। इसका उपयोग फ्रंट के साथ ही बैक में भी किया जा सकता है। एप के जरिए इनको उपयोग करना आसान हो जाता है। हादसा होने पर यह कार सवार को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

पंचर किट

सफर के दौरान अगर कार के टायर में पंचर हो जाए तो फिर मंजिल तक पहुंचने में काफी परेशानी हो जाती है। ऐसे में अगर कार में पंचर किट को रखा जाए तो फिर यह काफी काम आती है। बाजार से आसानी से इस तरह की किट को खरीदकर कार में रखा जा सकता है। सफर के दौरान कार पंचर हो जाए तो फिर खुद ही पंचर ठीक करके सुरक्षित सफर किया जा सकता है।

फरवरी 2024 में हुई कितनी Electric कारों की बिक्री, FADA ने दी जानकारी

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल और सीएनजी ईंधन वाली कारों के साथ ही इलेक्ट्रिक यात्री वाहन की मांग में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (Fada) की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 के दौरान देशभर में किस कंपनी की ओर से कितनी Electric Car की बिक्री की गई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक बीते महीने देशभर में बड़ी संख्या में Electric Car की बिक्री हुई है। किस कंपनी की ओर से फरवरी 2024 के दौरान कितनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की गई है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

फाडा की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में फरवरी 2024 के दौरान कुल 7231 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर यह बढ़ोतरी 51.72 फीसदी की है। लेकिन मंथली बेसिस पर बीते महीने में 11.43 फीसदी कम इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई है। जबकि फरवरी 2023 में देशभर में 4786 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थी, जबकि जनवरी 2024 के दौरान यह संख्या 8164 यूनिट्स थी।

Tata Motors EV

टाटा मोटर्स की ओर से फरवरी 2024 के दौरान सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई। कंपनी की ओर से बीते महीने में कुल 4941 यूनिट्स की बिक्री की गई। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 25.89 फीसदी की ग्रोथ को हासिल किया। लेकिन जनवरी के मुकाबले में 11.63 फीसदी कम बिक्री हुई। टाटा मोटर्स के पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक कारों के तौर पर टियागो, पंच, नेक्सन, टिगोर शामिल हैं।

MG Motors

ब्रिटिश कार निर्माता एमजी की ओर से भी भारतीय बाजार में कॉमेट और जेडएस ईवी को ऑफर किया जाता है। बीते महीने कंपनी ने कुल 1053 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की। बिक्री के मामले में एमजी मोटर्स टाटा के बाद दूसरे नंबर पर रही। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 190.88 फीसदी की बढ़त हासिल की है। पिछले साल फरवरी में एमजी मोटर्स ने 362 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की थी।

Elon Musk की टेस्ला को नहीं मिलेगी रियायत, पीयूष गोयल बोले- किसी एक कंपनी के फायदे के लिए पॉलिसी नहीं बनाती सरकार

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए टैरिफ में विशेष रियायत मांग रही है। लेकिन केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार ऐसी पॉलिसी बिल्कुल नहीं बनाएगी जिसका मकसद किसी एक कंपनी को फायदा पहुंचाना होगा। आइए जानते हैं कि गोयल ने टेस्ला और ईवी मैन्युफैक्चरिंग के बारे में क्या कहा?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपनी पॉलिसी को अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल टेस्ला को फायदा पहुंचाने के हिसाब से नहीं बनाएगा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हम ऐसी पॉलिसी नहीं लाएंगे, जिससे किसी एक कंपनी को फायदा हो।

उन्होंने कहा कि हम भारत के कानून और टैरिफ नियम को ऐसा बनाएंगे, जो सभी कंपनियों को समान मौके दे और वे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अपना मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित हों। गोयल ने पिछले साल नवंबर में अमेरिका के कैलिफोर्निया में टेस्ला के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का दौरा भी किया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार किसी एक कंपनी या उसके हितों के लिए पॉलिसी नहीं बनाती। हर कोई अपनी मांग रखने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप जो मांग करते हैं, सरकार उसी के आधार पर फैसला लेगी।

क्या मांग कर रही मस्क की टेस्ला?

दुनिया की सबसे बड़ी EV मेकर टेस्ला शुरुआती टैरिफ रियायत मांग रही है, जिससे उसकी 40,000 डॉलर से कम दाम वाली कारों के लिए 70 प्रतिशत और इससे अधिक वाली कारों के लिए 100 प्रतिशत सीमा शुल्क की भरपाई हो जाए।

टेस्ला का कहना था कि वह यह रियायत मिलने के बाद ही भारत में अपना प्लांट लगाएगी। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क काफी लंबे समय से यह रियायत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस सिलसिले में वह भारत भी आए थे और यहां नीति-निर्माताओं से मुलाकात भी की, लेकिन बात नहीं बनी।

भारत में मोटर गाड़ियों पर टैरिफ अधिक है। इसका मकसद लोकल प्रोडक्शन को बढ़ावा देना है। लेकिन, यह चीज विदेशी कार मेकर्स को रास नहीं आती और वे हमेशा इस मुद्दे को उठाते रहते हैं।

कैसी नीतियां बना रहा है भारत?

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि सरकार एक अच्छे ईवी इकोसिस्टम की जरूरत को पहचानती है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों से ना सिर्फ कार्बन उत्सर्जन कम होगा, बल्कि देश का क्रूड ऑयल इंपोर्ट बिल भी कम होगा।

हालांकि, गोयल ने स्पष्ट किया कि सरकार टेस्ला जैसी किसी एक कंपनी के उपयुक्त पॉलिसी नहीं बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा फोकस ऐसी नीतियां बनाने पर है, जो दुनियाभर के ईवी मेकर को भारत में प्लांट लगाने के लिए लुभाए।

गोयल ने कहा कि हम अच्छी पॉलिसी बनाने के लिए कई मोर्चों पर काम कर रहे हैं। इसमें इंटर-मिनिसट्रियल सलाह-मशविरा से लेकर हितधारकों से बातचीत शामिल है। इनमें यूरोप, अमेरिका, जापान और कोरिया की कंपनियां भी शामिल हैं, जो संभावित निवेशक हो सकती हैं।

कांग्रेस के डूबते जहाज में मची है नेताओं की भगदड़

योगेंद्र योगी

आश्चर्य की बात यह है कि एक तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले देश में एकता यात्रा और उसके बाद अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता कांग्रेस में व्याप्त हताशा को रोकने के लिए कोई मजबूत उपाय नहीं कर सके।

भाजपा के बढ़ते प्रभाव और कांग्रेस की कमजोर पड़ती सत्ता से कांग्रेसियों में भगदड़ मची हुई है। दरअसल कांग्रेस के डूबते राजनीतिक जहाज में सवार नेताओं को अपना भविष्य डूबने का खतरा सता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस की हालत आयाराम-गयाराम जैसी हो गई है। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोडने वाले नेताओं की लंबी फेहरिस्त सामने आ चुकी है। यह सिलसिला लोकसभा चुनाव तक जारी रहने की उम्मीद है। कांग्रेस में बदहवासी का आलम यह है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिरते-गिरते बची है। राज्यसभा के निर्वाचन में हुई क्रास वोटिंग का सर्वाधिक खामियाजा कांग्रेस ने भुगता है। क्रास वोटिंग करने वाले नेताओं को इस बात का अंदाजा लग गया कि इस राजनीतिक पार्टी में भविष्य सुरक्षित नहीं है। यही वजह रही कि बहती गंगा में हाथ धोने से कांग्रेस के नेता बाज नहीं आए।

आश्चर्य की बात यह है कि एक तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले देश में एकता यात्रा और उसके बाद अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता कांग्रेस में व्याप्त हताशा को रोकने के लिए कोई मजबूत उपाय नहीं कर सके। पार्टी से एक के बाद एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस का दामन छोडने में लगे हुए हैं। कांग्रेस की बात करें तो पांच बड़े नेताओं ने पिछले एक महीने के अंदर पार्टी छोड़ी है। कमलनाथ इस सूची में छठा नाम हो सकते हैं। चुनाव की तारीख का ऐलान होने में एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में कांग्रेस के लिए नई रणनीति बनाना और जीत हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। बड़े नेताओं के दल बदलने से सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को हुआ है, लेकिन बीजेपी भी इससे नहीं बच पाई है। सत्ताधारी पार्टी के तीन बड़े नेता पाला बदल चुके हैं। खास बात यह है कि तीनों नेता कांग्रेस में शामिल हुए हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के अशोक तंवर भी बीजपी का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि, बीजेपी का साथ छोड़कर कांग्रेस में जाने वाले आखिरी बड़े नेता जी विवेक थे, जिन्होंने नवंबर 2023 में ऐसा किया था। इसके बाद से पार्टी अपने नेताओं को बांधकर रखने में सफल रही है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पार्टी के हाई कमान से नाराज हैं और बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। अगर कमलनाथ कांग्रेस छोड़ते हैं तो वह ऐसा करने वाले कांग्रेस के पहले पूर्व मुख्यमंत्री नहीं होंगे। उनसे पहले 12 नेता ऐसा कर चुके हैं। खास बात यह है कि कमल नाथ की वजह से कांग्रेस छोडने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया पहले ही बीजेपी का हिस्सा हैं। कुछ नेताओं ने अपनी पार्टी बनाई तो वहीं कुछ नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। इस सूची में सबसे ज्यादा तीन पूर्व मुख्यमंत्री गोवा के हैं। गोवा के दिगंबर कामत, रवि नाइक और लुइजिन्हो फलेरियो ऐसे नेता हैं, जो कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे, लेकिन बाद में पार्टी छोड़ दी। इनमें से दिगंबर और रवि ने तो अंत में बीजेपी का दामन थामा, लेकिन फलेरियो पहले टीएमसी में रहे फिर इस पार्टी से भी अलग हो गए। अगले कुछ महीनों में लोकसभा के चुनाव हैं। इससे ठीक पहले जिस तरह कांग्रेस से दिग्गज नेता अलग हो रहे वो चौंकाने वाला है। कांग्रेस को झटके पर झटका उनकी पार्टी के नेता ही दे रहे हैं। चुनाव से ठीक पहले ही कांग्रेस के नेता पार्टी को छोडना शुरू कर देते हैं। कांग्रेस के कई पूर्व सीएम जैसे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह, गुलाम नबी आजाद, एन. बिरेन सिंह, नारायण राणे, एसएम कृष्णा, शंकर सिंह वाघेला, पेमा खांडू और अशोक चव्हाण जैसे नेताओं का भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से भरोसा समाप्त होता नजर आया। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एक तरफ तो पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं, दूसरी तरफ कई बड़े नेताओं के पार्टी छोडने की अटकलें लगाई जा रही हैं। महाराष्ट्र में तो कांग्रेस को एक के बाद एक प्रदेश के तीन दिग्गज नेताओं ने झटका दिया है। सबसे पहले पार्टी से एक महीने पहले मिलिंद देवड़ा ने इस्तीफा दिया। इसके बाद 8 फरवरी को बाबा सिद्दीकी ने पार्टी छोडने का ऐलान कर दिया और अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी कांग्रेस की नाव से उतर चुके हैं। कांग्रेस के अंदर की अंतर्कलह आज से जारी नहीं है।

राहुल गांधी के सबसे नजदीकी नेताओं में शामिल रहे दिग्गज भी अब बीजेपी के साथ हैं तो वहीं कांग्रेस में सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले नेताओं में से रीता बहुगुणा जोशी, कैप्टन अमरिंदर सिंह और गुलाम नबी आजाद भी पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस से युवा नेताओं का भी मोह भंग होता जा रहा है। इसका उदाहरण मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, अल्पेश ठाकोर, हार्दिक पटेल, सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी, आरपीएन सिंह, अशोक तंवर जैसे नेता हैं, जो कांग्रेस से अलग हो चुके हैं। बिहार में अशोक चौधरी, असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा, सुनील जाखड़ के साथ अश्वनी कुमार जैसे भी नेता हैं जो पार्टी के काम करने के तरीके से नाखुश होकर पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस ने पूरे देश में विपक्ष को एनडीए के खिलाफ इकठ्ठा करने के लिए इंडिया गठबंधन तैयार किया, तब उसे लगा था कि देश की सत्ता तक पहुंचने के लिए यह रास्ता आसान होगा। लेकिन, एक-एक कर इंडिया गठबंधन से पार्टियां अलग होती चली गईं। सबसे पहले नीतीश कुमार जिन्होंने इस गठबंधन के लिए सबको इकठ्ठा किया था बीजेपी के साथ हो लिए। फिर ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को भी कांग्रेस का साथ रास नहीं आ रहा। ममता कांग्रेस पर निशाना साध रही हैं तो अरविंद केजरीवाल जिस तरह से लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का दावा कर रहे हैं उससे साफ हो गया है कि वह एकला चलो रे की राह पर बढ़ रहे हैं। एनसीपी और शिवसेना टूटी और उनका नेतृत्व जिनके हाथ में है, वह कांग्रेस का विरोध करते रहे हैं।

कांग्रेस के 10 साल के समय को देखें तो पता चल जाएगा कि एक तरफ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से पार्टी की जमीन देश में मजबूत करने की कोशिश हो रही है, दूसरी तरफ पार्टी के दिग्गज और युवा नेताओं ने एक-एक कर पार्टी का साथ छोड़ दिया है। कांग्रेस को छोड़ते समय इनमें से ज्यादातर नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और खासकर राहुल गांधी पर उनकी अनदेखी के आरोप लगाए। इनमें से जिन्होंने भी बीजेपी का दामन थामा, उन्हें पार्टी ने जगह भी दी। कांग्रेस ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को बाहर का रास्ता दिखाया तो अब उनके भी बीजेपी में शामिल होने की बात कही जा रही है। पार्टी के नेताओं के असंतोष पर ध्यान दें तो पता चलेगा कि बड़े-छोटे देशभर के हर प्रदेश से कुल मिलाकर 400 से ज्यादा की संख्या में अलग-अलग स्तर के नेता कांग्रेस का दामन छोड़ चुके हैं। जर्जर होती कांग्रेस की इसी हालत का फायदा इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय दलों ने उठाया है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ लोकसभा की सीटों के मोलभाव अपनी सुविधा के हिसाब से कर रहे रहे हैं। लाचार कांग्रेस के पास क्षेत्रीय दलों की शर्तें मानने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं बचा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मजबूरी में समझौते किए हैं। यह बात दीगर है कि कभी इन राज्यों में कांग्रेस के दुदंभी बजती थी।

दरअसल भाजपा के ताकतवर होने होने के बाद कांग्रेस ने कभी भी पार्टी के लगातार कमजोर पड़ते जाने को लेकर आत्मंथन नहीं किया। कांग्रेस अपनी किसी भी नीति और सिद्धांत पर कायम नहीं रह सकी। ऐसे में भाजपा ने कांग्रेस के ढहते किले में तोडफ़ोड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। भाजपा ने दोतरफ से कांग्रेस का घेराव किया। एक तरफ कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों को न सिर्फ उजागर किया बल्कि कई दिग्गजों पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई भी करवाई। दूसरी तरफ भाजपा ने कांग्रेस में सेंधमारी करके उसे हाशिए पर लाने में कसर बाकी नहीं रखी। दोनों तरफ से पिटती कांग्रेस में नेताओं को लगने लगा कि इसके दिन लद गए लगते हैं। कांग्रेस छोडने वाले नेताओं बेशक भाजपा में अपना भविष्य बेहतर लग रहा हो, किन्तु भाजपा के अनुशासन केंद्रीकृत नीतियों के चलते कांग्रेस जैसी मौज नहीं मिल सकती।

संपादक की कलम से

ब्रह्मांडीय ऊर्जा से भरपूर हैं भगवान वेंकटेश्वर की आंखें, जानिए तिरुपति बालाजी मंदिर के ये रहस्य

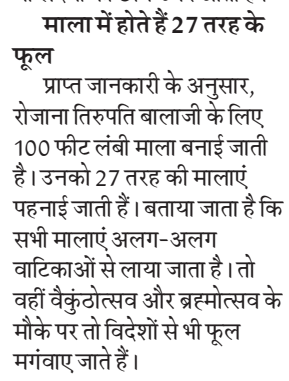

भारत देश में कई फेमस मंदिर हैं। इन्हीं में से एक सबसे ज्यादा फेमस धार्मिक स्थलों में तिरुपति बालाजी का मंदिर है। इस मंदिर की काफी मान्यता है और मंदिर से आस्था, प्रेम और रहस्य जुड़ा हुआ है। जिसकी वजह से मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। मान्यता के मुताबिक अपने भक्तों को सभी परेशानियों से बचाने के लिए भगवान वेंकटेश्वर कलयुग में जन्म लिया था। भगवान वेंकटेश्वर श्रीहरि विष्णु के अवतार हैं। कहा जाता है कि कलयुग में जब तक भगवान वेंकटेश्वर रहेंगे, तब तक कलयुग का अंत नहीं हो सकता है।

आपको बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर को कलयुग का वैकुंठ भी कहा जाता है। भगवान वेंकटेश्वर को श्रीनिवासा, बालाजी और गोविंदा के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तिरुपति बालाजी की आंखें क्यों बंद रहती हैं। अगर आपको इसका जवाब नहीं मालूम है, तो इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

तिरुपति बालाजी की आंखों का रहस्य

धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान वेंकटेश्वर का आधुनिक युग में निवास तिरुपति तिरुमाला मंदिर में माना जाता है। भगवान श्रीहरि के अवतार वेंकटेश्वर को उनकी चमकीली और शक्तिशाली आंखों के लिए जाना जाता है। भगवान वेंकटेश्वर अपने भक्तों की आंखों में सीधा नहीं देख सकते हैं, क्योंकि उनकी आंखें ब्रह्मांडीय ऊर्जा से भरपूर है। इसी वजह से उनकी आंखों को सफेद मुखौटे से बंद कर दिया जाता है। वहीं सिर्फ गुरुवार के दिन भगवान वेंकटेश्वर की आंखों से सफेद मुखौटे को बदला जाता है। सिर्फ उसी दौरान क्षण भर के लिए भक्त देवता की आंखों का दर्शन कर सकते हैं।

ऐसे ढकी जाती है बालाजी की आंखें

बालाजी की आंखें पंच कपूर से ढकी जाती हैं। धार्मिक शास्त्रों के मुताबित भगवान वेंकटेश्वर की आंखें हमेशा खुली रहती हैं और इनकी आंखों में काफी ज्यादा तेज है। इसलिए भगवान की आंखें कपूर से ढककर रखी जाती हैं। ऐसे में भक्त सिर्फ गुरुवार के दिन ही भगवान वेंकटेश्वर की आंखों का दर्शन किया जा सकता है।

गुरुवार को किया जाता है बालाजी का श्रृंगार

हर गुरुवार के दिन भगवान वेंकटेश्वर को चंदन से स्नान कराया जाता है और फिर मूर्ति पर चंदन का लेप भी लगाया जाता है। बताया जाता है कि भगवान विष्णु के हृदय पर चंदन का लेप लगाने से मां लक्ष्मी की छवि उभर आती है।

माला में होते हैं 27 तरह के फूल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोजाना तिरुपति बालाजी के लिए 100 फीट लंबी माला बनाई जाती है। उनको 27 तरह की मालाएं पहनाई जाती हैं। बताया जाता है कि सभी मालाएं अलग-अलग वाटिकाओं से लाया जाता है। तो वहीं वैकुंठोत्सव और ब्रह्मोत्सव के मौके पर तो विदेशों से भी फूल मगंवाए जाते हैं।

ज्ञान

लड्डू गोपाल को इन चीजों से कराएं स्नान, प्रसन्न होकर देंगे धन-संपदा में वृद्धि का आशीष

शास्त्रों में लड्डू गोपाल की पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताए गए हैं। जैसे जैसे लड्डू गोपाल को कब और किस विधि से स्नान कराना चाहिए। तो आइए जानते हैं लड्डू गोपाल को किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

हिंदू धर्म में बहुत सारे लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होते हैं। मान्यता के मुताबिक लड्डू गोपाल जिससे अपने पूजा और सेवा करवाना चाहते हैं, सिर्फ उसी के मन में अपने प्रति प्यार का भाव जगाते हैं। वहीं जिससे लड्डू गोपाल को अपनी सेवा नहीं करवानी होती है, वह लाख कोशिशों के बाद भी लड्डू गोपाल को अपने घर नहीं ला पाता है। वहीं लड्डू गोपाल की सेवा में कई नियमों का ध्यान रखना पड़ता है। वहीं शास्त्रों में भी पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताए गए हैं।

आपको बता दें कि धर्म ग्रंथ में लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में काफी वर्णन मिलता है। जैसे लड्डू गोपाल को कब और किस विधि से स्नान कराना चाहिए। साथ ही किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना शुभ माना जाता है। ऐसे में अगर आपके घर में भी लड्डू गोपाल हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान करवाना चाहिए।

गोपी चंदन लड्डू गोपाल को बेहद प्रिय है। इसलिए रोजाना आप गोपी चंदन से लड्डू गोपाल को स्नान करवा सकते हैं। गोपी चंदन से स्नान करवाने लड्डू गोपाल प्रसन्न होने के साथ ही वह नित्य रूप से शुद्ध बने रहते हैं।

केसर से स्नान

केसर का इस्तेमाल लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय किया जा सकता है। इससे लड्डू गोपाल का मन हर्षित यानी की प्रसन्न रहता है। साथ ही लड्डू गोपाल की कृपा से घर में सकारात्मकता और शुभता बनी रहती हैं और खुशहाली का आगमन होता है।

पंचामृत से स्नान

लड्डू गोपाल को आप पंचामृत से भी स्नान करवा सकते हैं। हांलाकि रोजाना पंचामृत का इस्तेमाल करने पर मनाही है। सिर्फ मंदिरों में रोजाना पंचामृत से स्नान होता है। उत्सव आदि के मौके पर लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के जिन 20 सांसदों की टिकट पर पेंच फंसा हुआ है उनकी नींद

बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है, उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं।

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से बीजेपी ने 51 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर दिये हैं। इस घोषणा में सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी विरोध या बगावत के स्वर नहीं सुनाये दिये, एक मात्र बाराबंकी लोकसभा सीट के उम्मीदवार उपेंद्र सिंह रावत ने जरूर चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जताई है। इसके पीछे उनकी पार्टी से किसी तरह की नाराजगी नहीं, बल्कि उनका सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक विवादित वीडियो का सामने आना है, जिसे रावत ने पूरी तरह से खारिज करके एफआईआर दर्ज करा दी है। लेकिन इसके साथ ही वीडियो की सच्चाई आने से पूर्व भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने की भी घोषणा की है।

बाराबंकी से यदि उपेद्र चुनाव नहीं लड़े तो बीजेपी को वहां भी नया प्रत्याशी तलाशना होगा, इस तरह से 24 सीटों पर उसे और प्रत्याशी तय करना है, बाकी कि छह सीटें बीजेपी ने सहयोगी दलों के लिये छोड़ रखी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यूपी में 80 में से 64 सीटें जीती थीं। पहली लिस्ट में बीजेपी ने अपने 44 सांसदों को पुनः टिकट दे दिया है। इस तरह से अभी बीजेपी के 20 और सांसदों के भाग्य का फैसला होना बाकी है। यह वह 20 सांसद हैं जिनको लेकर बीजेपी आलाकमान के मन में कई किन्तु-परंतु हैं। किसी की उम्र 75 वर्ष से अधिक है तो कोई विवादों में घिरा है। इसी तरह से कुछ सांसदों का कामकाज सही नहीं होने के कारण उनके जीत की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं तो कुछ मौजूदा सामाजिक समीकरण के ढांचे में फिट नहीं बैठ रहे हैं। एक सांसद ऐसे भी हैं जो पांच सालों तक अपनी ही सरकार की आलोचना करते रहे। इसके अलावा कुछ वीआईपी सीटों पर भी प्रत्याशी नहीं तय हो पाये हैं जिसमें रायबरेली, मैनपुरी, सुलतानपुर, पीलीभीत जैसी सीटें शामिल हैं। उक्त में से दो सीटें क्रमशः सुलतानपुर और पीलीभीत से मेनका और वरूण गांधी सांसद हैं।

बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है, उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि कुश्ती संघ से विवादों में आए कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की जगह पार्टी उनकी पत्नी केतकी सिंह या विधायक बेटे प्रतीक भूषण सिंह को चुनाव लड़ाना चाहती है, लेकिन ब्रजभूषण ने टिकट पाने के लिए लखनऊ से दिल्ली तक पूरी ताकत लगा दी है। बरेली से लगातार सांसद रहे संतोष गंगवार को 2019 में मंत्री पद से हटाने के बाद अब चुनावी राजनीति से बाहर रखने की चर्चाएं चल रही हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि 75 वर्ष से अधिक आयु होने पर हेमा मालिनी को टिकट दिया गया है, ऐसे में संतोष गंगवार की दावेदारी भी बनती है।

उधर, देवरिया से संसद और पूर्व प्रदेश अध्य रमापति राम त्रिपाठी ने भी दिल्ली में भाजपा के बड़े पदाधिकारियों से संपर्क बनाकर एक और मौका मांगा है तो सुल्तानपुर से सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी के टिकट पर भी पेंच फंसा है। मोदी की हरी झंडी के बाद पार्टी दोनों में से किसी एक को टिकट दे सकती है। वैसे वरूण गांधी के प्रियंका गांधी के करीब होने की भी बात कही जा रही है। रिश्तों में जमी बर्फ हटाने के लिये वरूण को रायबरेली या अमेठी से मैदान में उतारा जा सकता है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची में वंचित रहने के बाद पार्टी के दिग्गज सांसदों ने अपने टिकट के लिए पूरा दम लगा दिया है। राम लहर और मोदी की गारंटी के माहौल में भी दिग्गज चेहरों को चुनाव मैदान से बाहर करने में पार्टी को मशक्कत करनी पड़ेगी। भाजपा ने पहले चरण में यूपी की 80 में से 51 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। शेष 29 सीटों में से बागपत और बिजनौर पर एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। आगामी दिनों में 27 सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने हैं इनमें से दो सीटें अपना दल (एस) और सुभासपा को एक सीट मिलेगी। माना जा रहा है कि अपना दल को उसकी दो मौजूदा सीटों राबर्ट्सगंज और मिर्जापुर से ही लड़ाया जायेगा। पूर्वांचल की एक-एक सीट सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी के हिस्से में जायेगी। गाजीपुर और घोसी की सीट इन दलों को दी जा सकती है। कुछ सीटों पर सपा-बसपा छोड़कर बीजेपी में आने वाले नेताओं को भी उतारा जा सकता है।

बहरहाल, अभी तक जिन बीजेपी सांसदों के भाग्य का फैसला नहीं हो पाया है उसमें गाजियाबाद से विजय कुमार सिंह, मेरठ से राजेन्द्र अग्रवाल, बागपत से सत्यपाल सिहं, हाथरस से राजबीर दिलेर, कानपुर से सत्यदेव पचौरी, पीलीभीत से वरूण गांधी, बदायूं से संघमित्रा मौर्या, फिरोजाबाद से डॉ. चन्द्र जादौन सेन, प्रयागराज से रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर से केसरी देवी पटेल, देवरिया से रमापति राम त्रिपाठी, बलिया से वीरेन्द्र सिंह, मछली शहर से भोलानाथ, भदोही से रमेश चन्द्र, अलीगढ़ से सतीश कुमार गौतम और बरेली से संतोष गंगवार शामिल हैं।

कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी को फिर से प्रत्याशी बनाने के लिए आरएसएस के कुछ पदाधिकारी पैरवी कर रहे हैं। उधर, भाजपा ने बागपत और बिजनौर सीट रालोद को दी है। बागपत से लगातार दो बार सांसद रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह का टिकट कट गया है। पार्टी की ओर से पहले ही तीन जाट उम्मीदवार उतारने के चलते अब सत्यपाल सिंह के राजनीतिक भविष्य पर तलवार लटक गई है। बिजनौर से 2019 में भाजपा प्रत्याशी रहे कुंवर भारतेंद्र का टिकट भी कट गया है। सत्यपाल और भारतेंद्र भी किसी अन्य सीट से दावेदारी कर सकते हैं। कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी को फिर से प्रत्याशी बनाने के लिए आरएसएस के कुछ पदाधिकारी पैरवी कर रहे हैं।

मसूरी में करिए ये 10 चीजें, बेहद सुंदर है हिल स्टेशन

संजय शेफर्ड

ट्रैवल ब्लॉगर, मुश्किल हालातों में काम करने वाले दुनिया के श्रेष्ठ दस ब्लॉगर में शामिल।

मसूरी हिल स्टेशन उत्तराखंड में है. यह हिल स्टेशनों की रानी कहा जाता है. मसूरी बेहद सुंदर है और देश के कोने-कोने से टूरिस्ट यहां आते हैं. आइए जानते हैं मसूरी में आप क्या-क्या कर सकते हैं.

मसूरी बेहद सुंदर हिल स्टेशन है. इस हिल स्टेशन की सैर के लिए दुनियाभर से लाखों की संख्या में टूरिस्ट आते हैं. मसूरी में टूरिस्ट सर्दियों और गर्मियों दोनों ही मौसम में बर्फबारी का लुत्फ उठा सकते हैं. यह हिल स्टेशन प्रकृति की गोद में बसा है और इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है. मसूरी की प्राकृतिक सुंदरता टूरिस्टों को मंत्रमुग्ध कर देती है. टूरिस्ट यहां घने जंगल, पहाड़, नदियां, झरने और वादियां देख सकते हैं. यह हिल स्टेशन एडवेंचर पसंद टूरिस्टों के लिए परफेक्ट है. उत्तराखंड में स्थित यह हिल स्टेशन छुट्टियां बिताने के लिए परफेक्ट है. आइए पहले जानते हैं कि मसूरी में आप कौन-सी 10 चीजें कर सकते हैं.

मसूरी में करिए ये 10 चीजें

मसूरी घूमने जा रहे हैं, तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि आप इस हिल स्टेशन में क्या-क्या एक्टिविटी कर सकते हैं. यह हिल स्टेशन टूरिस्टों को अपनी तरफ अट्रैक्ट करता है और यहां की सुंदरता सैलानियों को बांध लेती है.

ट्रैकिंग
हाइकिंग
एडवेंचर स्पोर्ट्स
रॉक क्लाइम्बिंग
पैराग्लाइडिंग
राफ्टिंग
फिशिंग
शॉपिंग
फोटोग्राफी
माउंट बाइकिंग

मसूरी हिल स्टेशन में टूरिस्ट फोटोग्राफी से लेकर फिशिंग और माउंट बाइकिंग तक कई एक्टिविटी कर सकते हैं. यह हिल स्टेशन ट्रैकिंग और हाइकिंग के लिए बेस्ट माना जाता है. टूरिस्ट यहां रॉक क्लाइम्बिंग कर सकते हैं. पहाड़ चढ़ने की एक्टिविटी बेहद मजेदार होती है और इसका अनुभव कभी न भुलाया जा सकने वाला होता है. इस हिल स्टेशन पर टूरिस्ट पैराग्लाइडिंग कर सकते हैं. मसूरी हिल स्टेशन दिल्ली से सिर्फ 274 किमी दूर है. यह हिल स्टेशन देहरादून के पास है. देहरादून से इस हिल स्टेशन की दूरी 35 किलोमीटर है. यह हिल स्टेशन चारों तरफ से देवदार और चीड़ के पेड़ों से घिरा हुआ है. टूरिस्ट मसूरी में लंढौर की सैर कर सकते हैं. टूरिस्ट लंढौर से हिमाचल को देख सकते हैं. यहां टूरिस्ट लाल टिब्बा और क्लॉक टावर की सैर कर सकते हैं

इनसाइड

बायजूज ने कर्मचारियों को फरवरी के वेतन का कुछ हिस्सा दिया, बाकी पेमेंट के बारे में कही ये बात

Byju's ने अपने कर्मचारियों की फरवरी महीने की सैलरी का कुछ हिस्सा दे दिया है। कंपनी ने कर्मचारियों से कहा कि हमने ऑल्टरनेट फंडिंग की व्यवस्था की है ताकि आपके रोजमर्रा के कामकाज में कोई रुकावट ना आए। कंपनी फिलहाल फंडिंग की कमी और निवेशकों के साथ मुकदमेबाजी से जूझ रही है। जानिए कंपनी ने कर्मचारियों की पूरी सैलरी देने के बारे में क्या कहा?

नई दिल्ली। आर्थिक संकट और अंदरूनी खींचतान से जूझ रही एजुटेक स्टार्टअप Byju's ने अपने सभी कर्मचारियों की फरवरी महीने की बकाया सैलरी का कुछ हिस्सा दे दिया है। बायजू रविंद्रन की कंपनी का कहना है कि जब NCLT से उसे राइट्स इश्यू (Byju's Rights Issue) वाली रकम का इस्तेमाल करने की इजाजत मिलेगी, तो वह बाकी सैलरी भी दे देगी।

Byju's ने बताया कि उसने जिस रकम से शनिवार (9 मार्च) देर रात कर्मचारियों को उनके वेतन का कुछ हिस्सा दिया, वह राइट्स इश्यू से अलग जुटाई गई पूंजी थी। कंपनी ने कर्मचारियों से कहा कि हमने ऑल्टरनेट फंडिंग की व्यवस्था की है, ताकि आपके रोजमर्रा के कामकाज में कोई रुकावट ना आए।

इससे पहले Byju's के फाउंडर बायजू रविंद्रन ने कहा था कि कंपनी 10 मार्च तक कर्मचारियों की सैलरी दे देगी। उन्हें उम्मीद थी कि तब तक नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) से राइट इश्यू से जुटाए पैसों का इस्तेमाल करने की इजाजत मिल जाएगी। Byju's के चार निवेशकों ने कंपनी के मैनेजमेंट पर उत्पीड़न और कुप्रंधन का आरोप लगाया है। इसी पर सुनवाई करते हुए NCLT ने 27 फरवरी को आदेश दिया था कि जब तक इस याचिका का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक राइट्स इश्यू से मिले पैसे अलग एस्क्रो अकाउंट में रहेंगे।

बुरे दौर से गुजर रही Byju's

एक वक्त देश की सबसे बेहतरीन स्टार्टअप में शुमार की जाने वाली Byju's इस वक्त काफी मुश्किल दौर से गुजर रही है। एक तो कोरोना महामारी के खत्म होने के बाद ऑनलाइन एजुकेशन की तरफ रुझान कम हुआ है। दूसरी ओर, वेंचर कैपिटल फंडिंग में भी कमी आई है।

Byju's ने लागत कम करने के नाम पर पिछले एक साल में हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। कई निवेशकों के साथ कंपनी का विवाद और मुकदमेबाजी उसकी अलग परेशानी बढ़ा रही है। निवेशक बोर्ड के कई मेंबर भी रविंद्रन के साथ मतभेद की बात कहकर अलग हो गए।

रविंद्रन को हटाने के लिए हुई थी EGM

Byju's के शेयरहोल्डर्स ने 23 फरवरी की असाधारण आम बैठक (EGM) में कुप्रबंधन और नाकामी का आरोप लगाते हुए फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन और उनके परिवार को बोर्ड से हटाने के पक्ष में मतदान किया था।

एफपीआई ने मार्च में शेयर बाजार में 6,100 करोड़ रुपये का निवेश किया, जानें क्या है इसकी वजह

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) भारतीय शेयर बाजार में लगातार पैसे लगा रहे हैं। उन्होंने मार्च में अब तक शेयर बाजार में 6139 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। फरवरी में भी FPI ने शेयरों में 1539 करोड़ रुपये लगाए थे। शेयर के अलावा FPI ने बॉन्ड मार्केट में 1025 करोड़ रुपये का निवेश किया है। आइए जानते हैं कि FPI को भारत का शेयर बाजार इतना आकर्षक क्यों लग रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने इस महीने यानी मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार में 6,139 करोड़ रुपये डाले हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट के चलते FPI के बीच भारतीय शेयर बाजार का आकर्षण बना हुआ है।

इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये निवेश किए थे। वहीं, जनवरी में 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

बीडीओ इंडिया के पार्टनर और लीडर (टैक्स एंड रेगुलेटरी सर्विसेज) मनोज पुरोहित ने कहा, 'पिछले महीने की तुलना में मार्च में FPI का रुख अधिक सकारात्मक दिखाई दे रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत पर रही है। इसके अलावा भारत की बड़ी कंपनियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इन सबके चलते FPI का हौसला बढ़ा और वे भारतीय शेयर बाजार में पैसे लगा रहे हैं।'

बॉन्ड मार्केट में 1,025 करोड़ रुपये का निवेश

शेयर के अलावा FPI ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड मार्केट में 1,025 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें FPI पिछले कुछ महीनों से जेपी मार्गन सूचकांक में भारत सरकार के बांड को शामिल करने की घोषणा से प्रभावित होकर पैसा लगा रहे हैं।

उन्होंने बांड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अबतक FPIने भारतीय शेयर बाजार से 18,000 करोड़ रुपये निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 43,280 करोड़ रुपये डाले हैं।

शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 71,301.34 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। कम कारोबारी सत्रों के सप्ताह के दौरान सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही।

उसका मार्केट कैप 38,726.67 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,448.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 13,476.16 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 7,03,393.29 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 12,243.35 करोड़ रुपये बढ़कर 10,98,707.88 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,099.76 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 7,63,581.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इसके उलट इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 5,875.81 करोड़ रुपये घटकर 6,71,121.34 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 15,391.94 करोड़ रुपये घटकर 20,01,358.50 करोड़ रुपये रह गई। एलआइसी के मूल्यांकन में 6,166.87 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,48,596.89 करोड़ रुपये रह गया।

लेने जा रहे हैं इंस्टेंट लोन; ये टिप्स आएंगी आपके काम

कभी-कभी हम अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इंस्टेंट लोन का सहारा लेते हैं। ऐसे में हम कुछ अहम बातों को बिल्कुल भूल जाते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि अगर आप लोन लेने जा रहे हैं तो आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। ये सभी प्वॉइंट भविष्य में आपके काम आ सकते हैं। आइये इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। बढ़ती टेक्नोलॉजी और डिजिटल इकोनॉमी ने लोगों के लिए बहुत से नए मार्ग पेश किए है। इंस्टेंट लोन भी उनमें से एक है। ये लोन आपकी अचानक आई वित्तीय जरूरतों के पूरा करने में मदद करता है। ऐसे बहुत से ऑनलान प्लेटफॉर्म है, जो आपको इंस्टेंट लोन देते हैं। मगर ये जरूरी है कि इन प्लेटफॉर्म से लोन लेने से पहले आप कुछ बात पर गौर करें। यहां हम आपको बताएंगे कि जब भी आप इंस्टेंट लोन ले तो किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इससे आप बहुत सी परेशानियों से मुक्त रहेंगे।

तेज से बढ़ रहा इंस्टेंट

बीते कुछ समय में भारत में इस्टेंट लोन की लोकप्रियता में वृद्धि देखी गई है। ऐसा इसलिए है कि क्योंकि बस कुछ ही क्लिक के साथ,आप आसानी से मेडिकल इमरजेंसी चिकित्सा से लेकर अन्य खर्चों जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसे पा सकते हैं। लेकिन इस जल्दबाजी में अक्सर लोगों से गलतियां हो जाती है। यहां हम कुछ जरूरी बाते बता रहे हैं, जो आपके काम आ सकती है। आइये इनके बारे में जानते हैं।

नियम एवं शर्तों को समझना

हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि जब भी आप इंस्टेंट लोन लेने जा रहे हो तो उससे जुड़े नियम और शर्तों को ध्यान से पढ़ें इन नियमों और शर्तों को अच्छी तरह से समझने के लिए समय निकालें।

शर्तो को बढ़ते समय ब्याज दरों, प्रोसेसिंग फीस और लागू होने वाले किसी भी अन्य शुल्क पर ध्यान दें। वरना बाद में आपको इससे समस्या हो सकती है और इसका सीधा असर आपकी पॉकेट पर पड़ेगा। अगर आप फ्रांड और अन्य वित्तीय समस्याओं से बचना चाहते हैं तो हमेशा ध्यान रखें कि जिस प्लेटफॉर्म से आप लोन ले रहे हैं उसकी विश्वसनीय और नियामक मानकों की अच्छी तरह से जांच करें।

ज्यादा कर्ज, कम ब्याज और भारी टैक्स छूट, जानिए पत्नी के साथ ज्वाइंट होम लोन लेने के सभी फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

बहुत से लोग घर खरीदना चाहते हैं लेकिन उनके पास एकमुश्त पैसों की कमी होती है। ऐसे लोगों के लिए होम लोन अच्छा विकल्प होता है। लेकिन अगर आप पत्नी के साथ मिलकर ज्वाइंट होम लोन लेते हैं तो आपको अलग से कई फायदे मिलते हैं। आइए ज्वाइंट होम लोन के सभी फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। अपना घर होना हर किसी का सपना होता है। लेकिन, कई लोगों के लिए एकमुश्त घर खरीद लेने लायक रकम का इंतजाम करना मुश्किल होता है। ऐसे में लोग घर खरीदने या बनवाने के लिए होम लोन का सहारा लेते हैं।

अगर आपको होम लोन लेने में कोई दिक्कत आ रही है, तो आप ज्वाइंट होम लोन ले सकते हैं। यह सामान्य होम लोन की तुलना में ज्यादा आसानी से मिलता है और लोन की रकम भी ज्यादा हो जाती है।

आइए जानते हैं कि ज्वाइंट होम लोन कैसे लिया जा सकता है और इसमें कौन-कौन से फायदे मिलते हैं।

किसके साथ ले सकते हैं ज्वाइंट ?

ज्वाइंट लोन में कोई खास बंदिश नहीं है। इसे आप किसी के भी साथ ले सकते हैं। लेकिन, इसमें महिला ज्वाइंट एप्लीकेंट होने से कई फायदे अलग से मिलते हैं। अगर आप महिला हैं, तो पति के साथ ज्वाइंट होम ले सकती हैं। वहीं पुरुष भी अपनी पत्नी या फिर शादीशुदा न होने की स्थिति में बहन को भी एप्लीकेंट बना सकते हैं।

अगर आप पत्नी भी प्रोफेशनल्स हैं, तो उन्हें को-ओनर बनाने में होम लोन से होने वाला लाभ कई मायनों में बढ़ जाता है।

ज्वाइंट लोन पर टैक्स छूट का फायदा

पत्नी के साथ ज्वाइंट होम लोन के लिए अप्लाई करने पर दोनों लोग सेक्शन 80C के तहत इनकम टैक्स बेनेफिट क्लेम कर सकते हैं। दोनों को प्रीपेमेंट करने पर ब्याज में 2 लाख का अलग-अलग टैक्स बेनिफिट मिलता है। प्रिंसिपल अमाउंट पर भी 1 साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट ली जा सकती है।

कम ब्याज पर मिलेगा होम लोन

बहुत से बैंक और NBFC ज्वाइंट होम लोन में महिला खरीदार को रियायती दरों पर ब्याज उपलब्ध कराते हैं। ये दरें अमूमन 0.05 प्रतिशत तक कम होती हैं। महिला का नाम होने पर स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस में भी कुछ रियायत मिल जाती है। लेकिन, ये सारे लाभ उठाने के लिए प्रॉपर्टी में महिला का को-ओनर होना जरूरी है।

पहला घर खरीदने पर अतिरिक्त छूट

अगर आप पहली बार घर खरीद रहे, तो होम लोन के ब्याज पर 50 हजार रुपये की अतिरिक्त कटौती मिलती है। हालांकि, इसके लिए शर्त यह है कि लोन की रकम 35 लाख और प्रॉपर्टी का दाम 50 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

ब्याज चुकाने पर 1.5 लाख रुपये की अतिरिक्त छूट लेने के लिए स्टाम्प ड्यूटी की वैल्यू भी 45 लाख रुपये या इससे कम ही होनी चाहिए।

किसी एक पर नहीं पड़ेगा EMI का बोझ

ज्वाइंट होम लोन लेने पर दोनों एप्लीकेंट के बैंक अकाउंट लिंक होंगे। ऐसे में EMI मिस होने का चांस कम रहेगा। लेकिन, दोनों को यह तय करना होगा कि EMI कटने वाली तारीख से पहले किसी एक बैंक अकाउंट में किस्त चुकाने जितना पैसा होना चाहिए।

अगर दोनों के अकाउंट में पैसा नहीं होगा, तो इससे क्रेडिट स्कोर खराब हो सकता है।

बैंक कर्मचारियों को मिल सकता है पांच दिन का वर्किंग वीक, अब बस वित्त मंत्री की मंजूरी का इंतजार

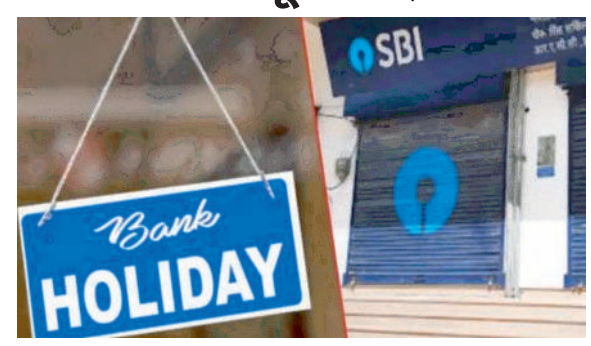

अभी बैंक रविवार और निर्धारित छुट्टियों के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। लेकिन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास बैंक कर्मचारियों के लिए पांच दिन का वर्किंग वीक करने का प्रस्ताव भेजा है। अगर वित्त मंत्री इसे मान लेती हैं तो बैंक कर्मचारियों को महीने में 8 छुट्टियां मिलने लगेंगी।

नई दिल्ली। इस साल बैंक कर्मचारियों के सैलरी हाइक और छुट्टी के मामले में बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। अगर वित्त मंत्रालय रजामंदी दे देता है, तो बैंक कर्मचारियों को सप्ताह में पांच ही दिन काम करना पड़ेगा और उन्हें दो दिन की छुट्टी मिलेगी।

बैंक कर्मचारी के यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर बैंकिंग सेक्टर के लिए पांच दिन के वर्किंग वीक की सिफारिश की है।

फिलहाल बैंक रविवार और निर्धारित छुट्टियों के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। यानी कर्मचारियों को महीने में छह निश्चित छुट्टियां मिलती हैं और बाकी हॉलिडे लिस्ट पर निर्भर रहती हैं।

अपने प्रस्ताव में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने सरकार को भरोसा दिया है कि पांच दिनों के वर्किंग वीक से भी बैंकों का कामकाज पहले की तरह ही चलेगा। कर्मचारियों के कामकाजी घंटों में कोई कमी नहीं होगी। साथ ही, ग्राहकों की सेवा के लिए निर्धारित बैंकिंग घंटों में भी कटौती नहीं की जाएगी।

यह प्रस्ताव भारतीय बैंक संघ के साथ हुए समझौते के तहत बनाया गया है।

वित्त मंत्रालय से इस मामले की सकारात्मक समीक्षा करने और उसी के हिसाब से इंडियन बैंक एसोसिएशन को आगे बढ़ने का निर्देश देने की सिफारिश की गई है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने यह भी दलील दी है कि रिजर्व बैंक और LIC में पहले से ही फाइव-डे वर्किंग वीक चलन में है।

बैंक कर्मचारियों की सैलरी भी बढ़ेगी!

पिछले साल भारतीय बैंक संघ और बैंक कर्मचारी यूनियनों के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MOU) पर साइन हुआ था। इसमें देश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 17 प्रतिशत सैलरी हाइक के लिए समझौता हुआ था। इसकी कुल लागत 12,449 करोड़ रुपये थी।

अगर इस योजना को मंजूरी मिल जाती है, तो SBI जैसे सार्वजनिक बैंकों के साथ कई निजी क्षेत्र के बैंकों में 3.8 लाख अधिकारियों समेत करीब नौ लाख कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा।

अच्छा-सा रिश्ता देख कर ली शादी, लेकिन नहीं बनवाया मैरिज सर्टिफिकेट; हल्के में न लें, दंग कर देंगे नुकसान

Marriage Certificate क्या आप शादीशुदा हैं या शादी करने जा रहे हैं अगर हां तो ये जानकारी आपके लिए बेहद काम की साबित होने वाली है। क्या आप जानते हैं अग्नि को साक्षी मान कर शादी करना ही काफी नहीं है शादी को रजिस्टर करवाना भी जरूरी है। अगर आपने अभी तक अपनी शादी को रजिस्टर नहीं करवाया है तो कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

नई दिल्ली। शादी दो लोगों के बीच एक पवित्र बंधन माना जाता है। अग्नि को साक्षी मानकर घरवालों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में शादी तो कर ली लेकिन अभी तक मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बनवाया है तो ये जानकारी आपके काम की हो सकती है।

क्या आप जानते हैं, शादी करना ही नहीं, बल्कि इसे रजिस्टर्ड करना भी जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो कई स्थितियों में बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। शादी का रजिस्ट्रेशन हिंदू मैरिज एक्ट 1955 और स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के तहत होता है।

इस आर्टिकल में मैरिज सर्टिफिकेट से जुड़ी सभी जरूरी बातों को ही बता रहे हैं-

मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना क्यों है जरूरी

मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना कई मामलों में काम का साबित होता है-

कहीं जॉब कर रहे हैं और मैरिटल स्टेटस में मैरिड ऑप्शन चुन रहे हैं तो शादी का सबूत आपका मैरिज सर्टिफिकेट ही बनता है। यह सरकारी और गैर सरकारी दोनों ही संस्थानों के लिए जरूरी है।

केंद्र या राज्य सरकार की किसी ऐसी योजना का लाभ लेना चाहते हैं जो पति-पत्नी के लिए लाई गई है तो इसके लिए मैरिज सर्टिफिकेट का होना जरूरी है।

पति की मृत्यु के बाद विधवा महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं का लाभ मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर ही मिलता है।

पति या पत्नी के खिलाफ घरेलू मामलों से जुड़ी FIR के लिए भी मैरिज सर्टिफिकेट ही आधार बनता है।

तलाक की एप्लिकेशन देने के लिए जरूरी है कि आपके पास शादी का प्रमाण यानी मैरिज सर्टिफिकेट हो

किसी दूसरे देश के परमानेंट नागरिक बनना चाहते हैं तो इसके लिए भी युगल को मैरिज सर्टिफिकेट दिखाना जरूरी है।

बैंक में जॉइंट अकाउंट खुलवाना चाहते हैं तो मैरिज सर्टिफिकेट को आधार बनाया जा सकता है।

कब तक करवा सकते हैं शादी को रजिस्टर

नई-नई शादी हुई है तो 30 दिन के भीतर ही मैरिज सर्टिफिकेट के लिए अप्लाई करना चाहिए। हालांकि, कुछ देरी हो गई है तो एक्स्ट्रा फी के साथ शादी के पांच वर्ष तक भी शादी रजिस्टर करवाई जा सकती है।

बता दें, 5 वर्ष से ज्यादा होने पर संबंधित जिला रजिस्ट्रार ही छूट दे सकता है।

मैरिज सर्टिफिकेट के लिए कैसे करें अप्लाई

मैरिज सर्टिफिकेट के लिए मैरिज रजिस्ट्रार के पास अप्लाई करना होगा। अपॉइंमेंट मिलने के बाद सभी जरूरी डॉक्यूमेंट के साथ तय दिन पर रजिस्ट्रार के पास जाना होगा।

ऑनलाइन मोड में अपने राज्य की सरकारी वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। यहां मैरिज रजिस्ट्रेशन का विकल्प मिल जाता है। अपॉइंटमेंट मिलने पर तय दिन पर दो गवाहों और डॉक्यूमेंट्स के साथ ऑफिस विजिट कर सकते हैं।

दिल्ली के लिए - https://edistrict.delhigovt.nic.in/

मैरिज सर्टिफिकेट के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स

एप्लिकेशन फॉर्म

एड्रेस प्रूफ

कपल का एज सर्टिफिकेट (बर्थ या 10वीं का सर्टिफिकेट)

कपल का आईडी कार्ड

आधार कार्ड

दो-दो पासपोर्ट साइज फोटो

शादी की जॉइंट फोटो

वेडिंग कार्ड

मंदिर. गुरुद्वारा, चर्च में हुई शादी के केस में वहां से मिला सर्टिफिकेट

दो गवाह

दूसरी शादी पर पहली शादी का तलाक सर्टिफिकेट

पहले पति की मौत पर डेथ सर्टिफिकेट

कोर्ट मैरिज पर कोर्ट के डॉक्यूमेंट्स

ये भी पढ़ें: Personal VS Gold Loan: पर्सनल या गोल्ड लोन कौन-सा ऑप्शन है आपके लिए बेहतर, यहां समझें दोनों के बीच का अंतर

शादी रजिस्टर करने के लिए युगल की उम्र

बता दें, मैरिज सर्टिफिकेट पाने के लिए जरूरी है कि शादी की तारीख तक महिला की उम्र कम से कम 18 वर्ष हो। इसके अलावा, पुरुष की उम्र 21 वर्ष होना जरूरी है।

क्या आपका भी अटका हुआ है टैक्स रिफंड, जानिए किस तारीख तक खाते में आ जाएगा पैसा?

बहुत से टैक्सपेयर्स को वित्त वर्ष 2020-21 के लिए रिटर्न नहीं मिला है जबकि उनके सभी दस्तावेज सही थे। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) ने इस मामले में स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि रिफंड कुछ तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से रुका है और इसमें करदाताओं की कोई गलती नहीं है। CBDT ने यह भी बताया कि टैक्सपेयर्स को रिफंड कब और कैसे मिलेगा।

नई दिल्ली। बहुत से इनकम टैक्सपेयर्स सभी नियम-कानूनों का पालन करके ITR (Income Tax Return) दाखिल करते हैं, फिर भी उनका रिफंड समय पर नहीं आता। कई करदाता तो ऐसे हैं कि उनका वित्त वर्ष 2020-21 का टैक्स रिफंड भी अटका पड़ा है, जबकि उनकी ओर से सभी दस्तावेज दुरुस्त थे। अब सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) ने इस मामले में स्पष्टीकरण दिया है। उसका कहना है कि अब वित्त वर्ष 2020-21 के रिफंड के लिए टैक्सपेयर्स को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्हें यह 30 अप्रैल 2024 तक मिल जाएगा। CBDT रिफंड के मामले में एक सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है, 'हमारे ध्यान में लाया गया है कि तकनीकी समस्याओं के चलते असेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए कई रिटर्न प्रोसेस नहीं किए जा सके थे। इसमें करदाताओं की कोई गलती नहीं थी। उन्होंने अपने रिटर्न सही तरीके से फाइल किए थे।'

पीएम मोदी ने दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन किया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर पहुंचे. यहां पीएम मोदी का सीएम पेमा खांडू ने उपहार देकर स्वागत किया. यहां पीएम मोदी ने दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन किया. इसके अलावा उन्होंने पूर्वोत्तर में कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी.

सेला सुरंग वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास है. यही वजह है कि यह सुरंग रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है. इससे भारतीय सेना चीन की किसी भी गुस्ताखी का मुंह तोड़ जवाब देगी. हमारे जवान गोला-बारूद लेकर तुरंत बॉर्डर पर पहुंच जाएंगे. सेला टनल अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामिंग और तवांग जिले को जोड़ेगा. एलएसी तक पहुंचने के लिए यह एक मात्र रास्ता है.

पीएम मोदी ने लोगों को किया संबोधित

पीएम मोदी ने सेला टनल का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि पूरे पूर्वोत्तर में चार गुणा तेजी से विकास कार्य चल रहा है.पूरे देश में विकसित राज्य से विकसित भारत का राष्ट्रीय उत्सव तेज गति से जारी है.आज मुझे विकसित पूर्वोत्तर के इस उत्सव में, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के साथ एक साथ हिस्सेदार बनने का अवसर मिला है. पूर्वोत्तर के विकास के लिए हमारा विजन अष्टलक्ष्मी का रहा है. दक्षिण और पूर्वी एशिया के साथ भारत के ट्रेड, टूरिज्म और दूसरे रिश्तों की एक मजबूत कड़ी हमारा नार्थ ईस्ट बनने जा रहा है. आज यहां एक साथ 55 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण या शिलान्यास हुआ है।

वन नेशन-वन इलेक्शन की रिपोर्ट सरकार के पाले में

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

एक राष्ट्र-एक चुनाव की वकालत करने वाली पीएम नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुवाई में गठित 8 सदस्यीय कमेटी अपनी फाइनल रिपोर्ट मोदी सरकार की चौखट तक पहुंचाने वाली है। सूत्रों के मुताबिक 2029 से शुरू लोकसभा समेत तमाम विधानसभाओ और स्थानीय निकायों के लिए एक ही वोटर लिस्ट पर मुहर लग सकती है।

बता दें कि सितंबर,2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 8 सदस्यीय इस कमेटी का गठन किया था। कमेटी के मुताबिक एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर संविधान के कम से कम 5 अनुच्छेदों और जनप्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता पडेगी। सूत्रो के मुताबिक संसद के सदनों के कार्यकाल से संबंधित अनुच्छेद 83, राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा को भंग करने से संबंधित अनुच्छेद 85 ,राज्य-विधानमंडलो के कार्यकाल से जुडा अनुच्छेद 172,राज्य विधानमंडल को भंग करने से संबंधित अनुच्छेद 174, और राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित अनुच्छेद 356 इनमें ही शामिल है। सूत्रो के मुताबिक अगर एक राष्ट्र-एक चुनाव की बावत कमेटी द्वारा पेश अनुशंसा सिरे चढती है तो इस पर इलेक्शन कमीशन का कहना है कि इवीएम खरीदने के लिए हर 15 साल पर करीब 10 हजार करोड रूपये की जरूरत पडेगी। पिछले साल सरकार को भेजे संदेश में आयोग ने बताया था कि इवीएम की आमतौर पर प्रयोग की मियाद 15 साल तक की बताई थी। अगर कथित 2029 के चुनाव से एक साथ सभी विधानसभाओ, स्थानीय निकायों, समेत लोकसभा के लिए चुनाव कराए जाते है, तो मशीनों का एक सेट को सिर्फ 3 चुनाव यानि 15 साल तक की मियाद में प्रयोग किया जा सकता है। इस बावत सूत्रों का कहना है कि एक-राष्ट्र -एक चुनाव की पटकथा पर विधि आयोग भी अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने वाला है।

सरदार देवेंद्र सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रोड सेफ्टी कमेटी भारत सरकार एवं टास्क फोर्स स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा सरकार मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिले

परिवहन विशेष न्यूज

सरदार देवेंद्र सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रोड सेफ्टी कमेटी भारत सरकार एवं टास्क फोर्स स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा सरकार मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिले मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश से सरदार देवेंद्र सिंह फाउंडर रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन एवं चढ़दी कला रहे खालसा हरियाणा, सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रोड सेफ्टी कमेटी भारत सरकार एवं टास्क फोर्स स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा सरकार मिले और उनका स्वागत रोड सेफ्टी की पूरी टीम की तरफ से किया। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को अपनी पूरी टीम के काम की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया और साथ ही बताया कि यह सारे कार्य हमारी पूरी टीम निस्वार्थ भाव से बिना किसी लालच के करते हैं। हमारी पूरी टीम यह सभी कार्य जनहित में जनता की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए शौक से करते है। हमारी पूरी टीम सभी वाहनों की सुरक्षा के लिए दिन-रात प्रशासन, पुलिस एवं जनता को सहयोग करती है। देवेन्द्र सिंह ने बताया मेरी नौकरी मानव रचना यूनिवर्सिटी में है और मुख्यमंत्री को मानव रचना कॉलेज में आने का निमंत्रण भी दिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देवेंद्र सिंह को टीम के साथ उज्जैन मध्य प्रदेश आने का निमंत्रण दिया और मध्यप्रदेश में सड़क सुरक्षा कार्य करने के लिए भी निमंत्रण दिया। देवेन्द्र सिंह के अनुसार यह मुलाकात बहुत ही खूबसूरत मुलाकात रही कुछ ही पल की लेकिन यादगार पल रहे। **सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा**

गठाबंधन चर्चा में नवीन की अफवाहें

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: बिजेड़ी-बीजेपी की बहस दिन-ब-दिन और रहस्यमय होती जा रही है । इसका खनन होगा या नहीं, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। कोई कहता है लड़ेंगे तो कोई कहते हैं अकेले लड़ेंगे । इनमें मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के वायरल वीडियो ने न सिर्फ राज्य की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर डाला है ।मुख्यमंत्री ने कहा, राजनीति में सबसे बुरी चीज अफवाह और झूठ है । माना जा रहा है कि वह दूसरी तरफ इशारा कर रहे हैं।अफवाहें और झूठ राजनीति में सबसे बुरी चीज हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 5-टी चेयरमैन के एक सवाल के जवाब में यह बात कही । फाइव-टी चेयरमैन ने यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है । मौजूदा राजनीतिक हालात में मुख्यमंत्री का यह संदेश बेहद अहम है । आम चुनाव सामने है, लेकिन बिजेड़ी-बीजेपी गठबंधन को लेकर चर्चा जारी है । बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सांसद जोएल ओराम ने मीडिया को बताया कि दिल्ली में बैठी बीजेपी की कोर कमेटी की बैठक में इस पर चर्चा हुई । इसके उलट कल दिल्ली से लौटने के बाद प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष मनमोहन सामल ने मीडिया से कहा कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई । दोनों नेताओं के बीच सामंजस्य की कमी के कारण इस बात पर विवाद है कि कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ । राजनीतिक टिप्पणीकारों को डर है कि मुख्यमंत्री का बयान मनमोहन सामल पर केंद्रित है ।

Office of Deputy Commissioner of Police
Traffic, Faridabad
Sector-12, Faridabad
Email ID:- dcptraffic.fbd-hry@nic.in
Telephone No. 0129-2222223

ट्रैफिक एडवाइज़री

सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि माननीय प्रधानमंत्री , भारत सरकार के द्वारा जिला गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस वे के उद्घाटन का कार्यक्रम प्रस्तावित है । उपरोक्त प्रस्तावित आयोजन को मध्यनज़र रखते हुए यातायात के सुगम प्रवाह एवं कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु जिला फरीदाबाद से गुरुग्राम की सीमा में प्रवेश करने वाले वाले भारी वाहनों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है। अतः दिनांक 10.03.2024 एवं दिनांक 11.03.2024 को जिला गुरुग्राम की तरफ जाने वाले मार्ग गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड व बल्लभगढ़-सोहना रोड पर भारी वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा ।

प्रदेश बीजेपी ने 3 साल से ज्यादा समय से एक ही जगह जमे अधिकारियों को बदलने की मांग की है

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर् : ओडिशा भाजपा ने 3 साल से अधिक समय से यहां तैनात विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तत्काल बदलने की मांग की है। इस संबंध में शनिवार को प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. सामंतसिंघार के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा । बीजेपी का आरोप है कि कई विभागों के अधिकारी कई सालों से एक ही जगह पर तैनात हैं । लोकसभा और विधानसभा चुनाव सामने हैं । सरकारी अधिकारियों के प्रभाव में, यह जोखिम है कि संबंधित अधिकारी मतदाताओं को प्रभावित करेंगे और निष्पक्ष चुनाव में बाधा डालेंगे। इसलिए बीजेपी ने कहा है कि इन अधिकारियों को तुरंत बदला जाना चाहिए । डॉ. सामंतसिंघर के साथ भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता दिलीप मल्लिक, प्रदेश मीडिया समन्वयक सुजीत कुमार दास और प्रदेश कार्यकारी सदस्य जयंत जेना प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिक अवश्य पढ़ें

आप जानते हैं कि मन चाहे कितना ही जोशीला हो पर पैंसठ की उम्र पार होने पर यदि आप अपनेआप को फुर्तीला और ताकतवर समझते हों तो यह गलत है। वास्तव में ढलती उम्र के साथ शरीर उतना ताकतवर और फुर्तीला नहीं रह जाता।

आपका शरीर ढलान पर होता है, जिससे 'हड्डियां व जोड़ कमजोर होते हैं, पर कभी-कभी मन भ्रम बनाए रखता है कि 'ये काम तो मैं चुटकी में कर लूँगा'। पर बहुत जल्दी सच्चाई सामने आ जाती है मगर एक नुकसान के साथ।

सीनियर सिटिजन होने पर जिन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, ऐसी कुछ टिप्स दे रहा हूं।

-- धोखा तभी होता है जब मन सोचता है कि 'कर लूंगा' और शरीर करने से 'चूक' जाता है। परिणाम एक एक्सीडेंट और शारीरिक क्षति!

ये क्षति फ्रैक्चर से लेकर 'हेड इंज्यूरी' तक हो सकती है। यानी कभी-कभी जानलेवा भी हो जाती है।

-- इसलिए जिन्हें भी हमेशा हड़बड़ी में काम करने की आदत हो, बेहतर होगा कि वे अपनी आदतें बदल डालें।

भ्रम न पालें, सावधानी बरतें क्योंकि अब आप पहले की तरह फुर्तीले नहीं रहे।

छोटी सी चूक कभी बड़े नुक़सान का कारण बन जाती है।

-- सुबह नींद खुलते ही तुरंत बिस्तर छोड़ खड़े न हों, क्योंकि आँखें तो खुल जाती हैं मगर शरीर व नसों का रक्त प्रवाह पूर्ण चेतन्य अवस्था में नहीं हो पाता ।

अतः पहले बिस्तर पर कुछ मिनट बैठे रहें और पूरी तरह चैतन्य हो लें। कोशिश करें कि बैठे-बैठे ही स्लीपर/चप्पलें पैर में डाल लें और खड़े होने पर मेज या किसी सहारे को पकड़कर ही खड़े हों। अक्सर यही समय होता है डगमगाकर गिर जाने का।

-- गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं बाथरुम/वॉशरुम या टॉयलेट में ही होती हैं। आप चाहे अकेले हों, पति/पत्नी के साथ या संयुक्त परिवार में रहते हों लेकिन बाथरुम में अकेले ही होते हैं।

-- यदि आप घर में अकेले रहते हों, तो और अधिक सावधानी बरतें क्योंकि गिरने पर यदि उठ न सके तो दरवाजा तोड़कर ही आप तक सहायता पहुँच सकेगी, वह भी तब जब आप पड़ोसी तक समय से सूचना पहुँचाने में सफल हो सकेंगे।

— याद रखें बाथरुम में भी मोबाइल साथ हो ताकि वक्त जरुरत काम आ सके।

-- देशी शौचालय के बजाय हमेशा यूरोपियन कमोड वाले शौचालय का ही इस्तेमाल करें। यदि न हो तो समय रहते बदलवा लें, इसकी तो जरुरत पड़नी ही है, अभी नहीं तो कुछ समय बाद।

संभव हो तो कमोड के पास एक हैंडिल लगवा लें। कमजोरी की स्थिति में इसे पकड़ कर उठने के लिए ये जरूरी हो जाता है।

बाजार में प्लास्टिक के वेक्यूम हैंडिल भी मिलते हैं, जो टॉइल जैसी चिकनी सतह पर चिपक जाते हैं, पर इन्हें हर बार इस्तेमाल से पहले खींचकर जरूर जांच-परख लें।

-- हमेशा आवश्यक ऊँचे स्टूल पर बैठकर ही नहायें।

बाथरुम के फर्श पर रबर की मैट जरूर बिछाकर रखें ताकि आप फिसलन से बच सकें।

-- गीले हाथों से टाइल्स लगी दीवार का सहारा कभी न लें, हाथ फिसलते ही आप 'डिस-बैलेंस' होकर गिर सकते हैं।

-- बाथरुम के ठीक बाहर सूती मैट भी रखें जो गीले तलवों से पानी सोख ले। कुछ सेकेण्ड उस पर खड़े रहें फिर फर्श पर पैर रखें वो भी सावधानी से।

-- अंडरगारमेंट हों या कपड़े, अपने चेंजरूम या बेडरूम में ही पहनें। अंडरवियर, पाजामा या पैंट खडे-खडे. कभी नहीं पहनें।

हमेशा दीवार का सहारा लेकर या बैठकर ही उनके पायचों में पैर डालें, फिर खड़े होकर पहनें, वर्ना दुर्घटना घट सकती है।

कभी-कभी स्मार्टनेस की बड़ी कीमत चुकानी पड़ जाती है।

-- अपनी दैनिक जरुरत की चीजों को नियत जगह पर ही रखने की आदत डाल लें, जिससे उन्हें आसानी से उठाया या तलाशा जा सके।

भूलने की आदत हो, तो आवश्यक चीजों की लिस्ट मेज या दीवार पर लगा लें, घर से निकलते समय एक निगाह उस पर डाल लें, आसानी रहेगी।

-- जो दवाएं रोजाना लेनी हों, उनको प्लास्टिक के प्लॉनर में रखें जिससे जुड़ी हुई डिब्बियों में हफ्ते भर की दवाएँ दिन-वार के साथ रखी जाती हैं।

अक्सर भ्रम हो जाता है कि दवाएं ले ली हैं या भूल गये।प्लॉनर में से दवा खाने में चूक नहीं होगी।

-- सीढ़ियों से चढ़ते उतरते समय, सक्षम होने पर भी, हमेशा रेलिंग का सहारा लें, खासकर ऑटोमैटिक सीढ़ियों पर।

ध्यान रहे अब आपका शरीर आपके मन का ओबिडियेंट सरवेन्ट नहीं रहा।

— बढ़ती आयु में कोई भी ऐसा कार्य जो आप सदैव करते रहे हैं, उसको बन्द नहीं करना चाहिए।

कम से कम अपने से सम्बन्धित अपने कार्य स्वयं ही करें।

— नित्य प्रातःकाल घर से बाहर निकलने, पार्क में जाने की आदत न छोड़ें, छोटी मोटी एक्सरसाइज भी करते रहें। नहीं तो आप योग व व्यायाम से दूर होते जाएंगे और शरीर के अंगों की सक्रियता और लचीला पन कम होता जाएगा। हर मौसम में कुछ योग-प्राणायाम अवश्य करते रहें।

— घर में या बाहर हुकुम चलाने की आदत छोड़ दें। अपना पानी, भोजन, दवाई इत्यादि स्वयं लें जिससे शरीर में सक्रियता बनी रहे।

बहुत आवश्यक होने पर ही दूसरों की सहायता लेनी चाहिए।

— घर में छोटे बच्चे हों तो उनके साथ अधिक समय बिताएं, लेकिन उनको अधिक टोका-टाकी न करें। उनको प्यार से सिखायें।

-- ध्यान रखें कि अब आपको सब के साथ एडजस्ट करना है न कि सब को आपसे।

-- इस एडजस्ट होने के लिए चाहे, बड़ा परिवार हो, छोटा परिवार हो या कि पत्नी/पति हो, मित्र हो, पड़ोसी या समाज।

एक मूल मंत्र सदैव उपयोग करें।

1. नोन अर्थात नमक। भोजन के प्रति स्वाद पर नियंत्रण रखें।

2. मौन कम से कम एवं आवश्यकता पर ही बोलें।

3. कौन (मसलन कौन आया कौन गया, कौन कहां है, कौन क्या कर रहा है) अपनी दखलंदाजी कम कर दें।

नोन, मौन, कौन के मूल मंत्र को जीवन में उतारते ही वृद्धावस्था प्रभु का वरदान बन जाएगी जिसको बहुत कम लोग ही उपभोग कर पाते हैं। कितने भाग्यशाली हैं आप, इसको समझें।*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**